आरवीजी एज्युकेशनल फाउन्डेशन - RVG EDUCATIONAL FOUNDATION

मेमोरेंडम (उद्देश्यपत्र) - MEMORANDUM

Cl. No.	New Clause	New Clause in English
1	**संस्था का नाम** इस संस्था का नाम "आरवीजी एज्युकेशनल फाउन्डेशन" होगा।	**Name of the Institution** The name of this Institution shall be "**RVG Educational Foundation**".
2	**संस्था का प्रधान कार्यालय** इस संस्था का प्रधान कार्यालय मुबई में रहेगा।	**Registered Office of the Institution** The registered office of this Institution shall be situated in “**Mumbai**”.
3	**संस्था के प्रमुख उद्देश्य**	**Main Objects of the Institution**
(A)	सर्वसाधारण और विशेषकर राजस्थानी विद्यार्थियों के लिए शिक्षा, पठन-पाठन एवं आवासीय व्यवस्था करना।	To provide educational, teaching & learning and residential accommodation facilities for students in general and particularly for students from Rajasthani community.
(B)	कला, कौशल, साहित्य, संस्कृति शिक्षा तथा विज्ञान के क्षेत्र में शोध एवं विकास करना।	To carry out research and development in the fields of art, skill, literature, cultural education and science.
(C)	पुस्तकालय, वाचनालय, स्पोर्टस् क्लब, व्यायामशाला, शोधशाला आदि की स्थापना करना।	To establish libraries, reading rooms, sports clubs, gymnasiums, research laboratories, and other similar facilities.
(D)	व्याख्यान, वादविवाद, प्रकाशन आदि का प्रबंध करना।	To organize lectures, debates, seminars, publications and other similar activities.
(E)	छात्रवृत्ति और पारितोषिक प्रदान करना।	To award scholarships and prizes.
(F)	ऐसी अन्य संस्थाएं खोलना, चलाना और सहायता करना।	To establish, operate and support to other institutions having similar objects.

(G)	सर्वसाधारण के उपयोग हेतू चिकित्सा एवं स्वास्थ्य संबंधित सेवाओं की व्यवस्था करना, प्रबंध एवं इस संबंध में सहायता उपलब्ध करवाना।	To arrange and manage medical and healthcare services for the benefit of the public at large and to provide assistance in that regard.
H	सार्वजनिक जनकल्याण के वे सभी कार्य करना जो की बोर्ड ऑफ़ ट्रस्टीज़ द्वारा सुझाये गये है।	To undertake all such works of public welfare as may be recommended by the Board of Trustees.
(I)	उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु आवश्यक, प्रासंगिक एवं उनसे संबंधित सभी प्रकार की गतिविधियों का संचालन करना।	To undertake and carry out all activities that are necessary, incidental, or related to the fulfilment of the above objects.
(J)	**संस्था के लाभार्थ :**	**For the benefit of the Institution:**
(i)	दान, चंदा अथवा वैध साधनों द्वारा धन इकट्ठा करना और इसके उद्देश्यों की पूर्ति के लिए व्यय करना।	To raise funds through donations, contributions, grants or other lawful means and to utilise the same for fulfilment of the objects of the Institution.
(ii)	जायदाद खरीदना, पट्टे पर लेना, विनिमय करना, किराये पर लेना अथवा अन्य किसी प्रकार से आवश्यकतानुसार या सुविधानुसार कोई वास्तविक या व्यक्तिगत सम्पत्ति लेना अथवा उसका अधिकार प्राप्त करना।	To acquire on outright, on lease, in exchange, on rent or otherwise acquire as may be necessary or convenient, any real or personal property or to acquire any rights therein.
(iii)	आवश्यकतानुसार भवन बनवाना, बदलना या उसी रुप में चलाना।	To construct, alter or maintain buildings as may be required.
(iv)	जिस धन की तत्काल आवश्यकता न हो उसे मुंबई या भारत में कोई भी ऐसी अचल सम्पत्ति खरीदना तथा ऐसी फ्री होल्ड या लीज होल्ड सम्पत्ति जिसके ठेके की मियाद 50 साल बाकी हो उसको प्रथम कानूनी रेहन पर विनियोग करना या किसी लिमिटेड कम्पनी के डिबेंचर स्टॉक और भारत में रजिस्ट्री की गई कम्पनियों या बैंको के साधारण या प्रिफरेंस शेयर्स लेना अथवा समय-समय पर द महाराष्ट्र पब्लिक ट्रस्ट एक्ट, 1950 एवं इनकम टैक्स एक्ट, 2025 के प्रावधानों के अंतर्गत स्वीकृत प्रतिभूतियों (सिक्योरिटीज़) में निवेश करना।	To invest funds, not immediately required, for the purchase of immovable properties situated in Mumbai or elsewhere in India or in freehold or lease hold properties having an unexpired lease term of not less than 50 years on first legal mortgage or in debenture stocks, ordinary or preference shares of companies or banks registered in India or to invest such funds from time to time in securities approved under the provisions of the Maharashtra Public Trust Act, 1950 and the Income Tax Act, 2025.

(v)	संस्था की तमाम जायदाद या उसका कोई अंश बेचना, बढाना, मरम्मत करना, विनिमय करना, ठेके अथवा किराए पर देना या उसकी अन्य प्रकार से व्यवस्था करना।	To sell the whole or any part of the Institution's properties, add to, repair, exchange, give on lease or let out on rent, or otherwise mange the same.
(vi)	संस्था के उद्देश्यों की प्रगति एवं प्रवृत्ति के लिए एकत्रित धन का ट्रस्ट बनाना।	To create a trust of the funds collected for the advancement and furtherance of the institution's objects.
(vii)	इसके उद्देश्यों की पूर्ति के लिए उसकी जायदाद या कोष गिरवी रखकर रुपया उधार लेना।	To borrow money for the attainment of the objects of the institution by mortgage or pleadge its properties or funds.
(viii)	इस संस्था के नाम एवं उद्देश्यों में परिवर्तन किये बिना इसके उद्देश्यों से मिलती-जुलती अन्य रजिस्टर्ड या अनरजिस्टर्ड संस्था या संस्थाओं को अग्रसर करना, सहायता और सहयोग देना अथवा संयुक्त करना।	To promote, support, assist, collaborate with or amalgamate with any other registered or unregistered institution(s) having objects similar to those of this institution without altering the name and objects of this institution.
(ix)	साधारणतया वे सभी कार्य करना जो इसके उद्देश्यों की पूर्ति में सहायक हों।	To generally undertake all such acts as are conducive to the fulfilment of its objects.
(x)	मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा स्वीकृत शर्तों पर विद्यार्थीगृह के लिए जो धन एकत्रित किया गया है उन शर्तों का यथावत् पालन करना।	To follow as it is the terms and conditions approved by the Marwadi Sammelan with respect to the funds collected for the establishment of the student's hostel.
	इस संस्था के प्रथम सदस्यो की जिनसे सर्वप्रथम व्यवस्थापिका सभा का निर्माण हुआ। उनके नाम व पते इस प्रकार हैं:	**The names and addresses of the first members of the institution, who constituted the initial governing body (Managing Committee), are as follows:**
1	श्री पुरुषोत्तमलाल झुनझुनवाला, श्रीराम मेशन, सरदार वल्लभभाई पटेल रोड, मुंबई-4	Shri Purushottamlal Jhunjhunwala, Shriram Mansion, Sardar Vallabhbhai Patel Road, Mumbai-4
2	श्री शिवकुमार भुवालका, 9 पेडर रोड, मुंबई 26	Shri Shivkumar Bhuwalka, 9 Peddar Road, Mumbai-26
3	श्री घनश्यामदास पोद्दार, 29, चर्चगेट स्ट्रीट, फोर्ट, मुंबई-1	Shri Ghanshyamdas Poddar, 29, Churchgate Street, Fort, Mumbai-1

4	श्री गोविंदलाल पित्ती, सी.सी.आई. चैम्बर्स, 5वां माला, दीनशा वाच्छा रोड, मुंबई-1.	Shri Govindlal Pitti, C.C.I. Chambers, 5th Floor, Dinshaw Vachha Road, Mumbai-1
5	श्री पन्नालाल पित्ती, 20, हमाम स्ट्रीट, फोर्ट, मुंबई 1	Shri Pannalal Pitti, 20, Hamam Street, Fort, Mumbai-1
6	श्री मदनमोहन रुइया, स्टेट बैंक बिल्डींग, बैंक स्ट्रीट, फोर्ट, मुबई -1	Shri Madanmohan Ruia, State Bank Building, Bank Street, Fort, Mumbai-1
7	श्री गोपीकृष्ण माखरिया, 61, सर पोचखनावाला रोड, वरली, मुबई 18	Shri Gopikrishna Makharia, 61, Sir Pochkhanawala Road, Worli, Mumbai-18
8	श्री जमनादास अडुकिया, 188 कालबादेवी रोड, मुबई-2	Shri Jamnadas Adukia, 188, Kalbadevi Road, Mumbai-2
9	श्री सत्यनारायण मोदी, 105/7, तांबाकाटा, मुंबई-3	Shri Satyanarayan Modi, 105/7, Tambakanta, Mumbai-3
10	श्री मदनलाल राजपुरिया, नेहरु रोड, विलेपार्ले, मुंबई-57	Shri Madanlal Rajpuria, Nehru Road, Vile Parle, Mumbai-57
11	श्री रामगोपाल गाड़ोदिया, 239, कालबादेवी रोड, मुंबई-2	Shri Ramgopal Gadodia, 239, Kalbadevi Road, Mumbai-2
12	श्री सूरजरतन दामानी, दामानी हाउस, कफ परेड, कोलाबा, मुंबई-5	Shri Surajratan Damani, Damani House, Cuffe Parade, Colaba, Mumbai-5
13	श्री हरिप्रसाद नोपानी, 215/17, कालबादेवी रोड, मुंबई 2	Shri Hariprasad Nopany, 215/17, Kalbadevi Road, Mumbai-2
14	श्री काशीनाथ गाडिया, मैं विलासराय काशीनाथ, 2 जय हिंद बिल्डिंग, भूलेश्वर, मुंबई-2	Shri Kashinath Gadia, M/s. Vilasrai Kashinath*, 2, Jai Hind Building, Bhuleshwar, Mumbai-2
15	श्री काशीनाथ गाडिया, मैं विलासराय काशीनाथ, 2 जय हिंद बिल्डिंग, भूलेश्वर, मुंबई-2	Shri Kashinath Gadia, M/s. Vilasrai Kashinath*, 2, Jai Hind Building, Bhuleshwar, Mumbai-2
16	श्री बालमुकुन्द आर अग्रवाल 45, यूसुफ बिल्डिंग, वीर नरीमन रोड, मुंबई-1	Shri Balmukund R. Agarwal, 45, Yusuf Building, Veer Nariman Road, Mumbai-1

17	श्री श्रीनिवास बगडका, 1, जमनालाल बजाज नगर, कुर्ला रोड, अंधेरी, पूर्व, मुंबई 59	Shri Shrinivas Bagadka, 1, Jamnalal Bajaj Nagar, Kurla Road, Andheri (East), Mumbai-59
18	श्री मदनलाल जालान, 212, कालबादेवी रोड, मुबई-2	Shri Madanlal Jalan, 212, Kalbadevi Road, Mumbai-2
19	श्री जयदेव सिंघानिया, 29 ए, बालाराम स्ट्रीट, ग्रान्ट रोड, मुंबई -7	Shri Jaidev Singhania, 29-A, Balaram Street, Grant Road, Mumbai-7
20	श्री मुरलीधर जालान, 339/41, कालबादेवी रोड, मुंबई-2	Shri Muralidhar Jalan, 339/41, Kalbadevi Road, Mumbai-2
21	श्री गौरीशंकर केजडीवाल, केदार भवन, कालबादेवी रोड, मुंबई 2	Shri Gaurishankar Kejadiwal, Kedar Bhavan, Kalbadevi Road, Mumbai-2
22	श्री कुज बिहारीलाल दारोलिया, 55 मारवाड़ी बाजार, मुबई-2	Shri Kunj Biharilal Darolia, 55, Marwari Bazaar, Mumbai-2
23	श्री रामेश्वर कन्दोई, विश्व महल, सी रोड, चर्चगेट मुंबई 1	Shri Rameshwar Kandoi, Vishwa Mahal, "C" Road, Churchgate, Mumbai-1
24	श्री सांवरमल तोदी, 41 हमाम स्ट्रीट मुबई-1	Shri Sanwarmal Todi, 41, Hamam Street, Mumbai-1
25	श्री जयन्तीलाल रुईया, 188, कालबादेवी रोड, मुबई 2	Shri Jayantilal Ruia, 188, Kalbadevi Road, Mumbai-2
26	श्री बैजनाथ माखरिया, 203, कालबादेवी रोड, मुंबई-2	Shri Baijnath Makharia, 203, Kalbadevi Road, Mumbai-2

हम सभी निम्नलिखित हस्ताक्षर कर्ता सोसायटी रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1860 के तहत एक संस्था के रुप में इसका गठन करना चाहते हैं। दिनाक: 16 माहः अगस्त वर्ष: 1960, मुबई	**We, the undersigned, hereby desire to form and establish this institution as a society under the provisions of The Societies Registration Act, 1860.** **Dated: 16th August, 1960, Mumbai**

1	श्री पुरुषोत्तमलाल झुनझुनवाला, श्रीराम मेशन, सरदार वल्लभभाई पटेल रोड, मुंबई 4.	Shri Purushottamlal Jhunjhunwala, Shriram Mansion, Sardar Vallabhbhai Patel Road, Mumbai-4
2	श्री शिवकुमार भुवालका, 9 पेडर रोड, मुंबई-26	Shri Shivkumar Bhuwalka, 9 Peddar Road, Mumbai-26
3	श्री मदनलाल जालान, 212, कालबादेवी रोड, मुबई 2	Shri Madanlal Jalan, 212, Kalbadevi Road, Mumbai-2
4	श्री श्रीनिवास बगड़का, 1, जमनालाल बजाज नगर, कुर्ला रोड, अंधेरी, पूर्व, मुंबई-59	Shri Shrinivas Bagarka, 1, Jamnalal Bajaj Nagar, Kurla Road, Andheri (East), Mumbai-59
5	श्री जयदेव सिघानिया, 29-ए, बालाराम स्ट्रीट, ग्रान्ट रोड, मुबई-7	Shri Jaidev Singhania, 29-A, Balaram Street, Grant Road, Mumbai-7
6	श्री मुरलीधर जालान, 339/41, कालबादेवी रोड, मुंबई-2	Shri Muralidhar Jalan, 339/41, Kalbadevi Road, Mumbai-2
7	श्री बालमुकुन्द आर अग्रवाल 45, यूसुफ बिल्डिंग, वीर नरीमन रोड, मुंबई 1	Shri Balmukund R. Agarwal, 45, Yusuf Building, Veer Nariman Road, Mumbai-1

आरवीजी एज्युकेशनल फाउन्डेशन

नियमावली - Rules and Regulations

Cl No	New Clause	Revised (English)
1.	**इस संस्था के निम्न प्रकार के सदस्य होंगे :**	**This Institution shall have the following categories of members:**
(A)	इस संस्था के ऐसे सभी संरक्षक सदस्य (Patron member), आश्रयदाता सदस्य (Fellow member), सहायक सदस्य (Associate Member) व	All such Patron member, Fellow member, Associate member and Ordinary member of this institution whose names are in the members list as on 30.11.2026.

Cl No	New Clause	Revised (English)
	आजीवन सदस्य(Ordinary member) जो कि दिनांक 30.11.2026 तक सदस्य सूची में अंकित हैं।	
(B)	दिनांक 01.12.2026 से इस संस्था के निम्न प्रकार के नए सदस्य होंगे।	This institution shall have following categories of member with effect from 01.12.2026:
(i)	**विशिष्ट संरक्षक सदस्य (Distinguished Patron Member)** : जो फर्म, ट्रस्ट, कपनी, संयुक्त परिवार, सीमित दायित्व भागीदारी फर्म या व्यक्ति इस संस्था को एकमुश्त रु. 1,01,00,000/- या अधिक की राशि दान देंगे उन्हें संस्था के द्वारा विशिष्ट संरक्षक (Distinguished Patron) सदस्यता दी जा सकेगी।	**Distinguished Patron Member:** The firm, trust, company, joint family, limited liability partnership, or individual who donates to this institution, a minimum amount of **₹1,01,00,000** or more may be granted Distinguished Patron Membership.
(ii)	**संरक्षक सदस्य (Patron Member)** : जो फर्म, ट्रस्ट, कपनी, संयुक्त परिवार, सीमित दायित्व भागीदारी फर्म या व्यक्ति इस संस्था को एकमुश्त रु. 31,00,000/- या अधिक की राशि दान देंगे उन्हें संस्था के द्वारा संरक्षक (Patron) सदस्यता दी जा सकेगी।	**Patron Member:** The firm, trust, company, joint family, limited liability partnership, or individual who donates to this institution, a minimum amount of **₹31,00,000** or more may be granted Patron Membership.
(iii)	**आश्रयदाता सदस्य (Fellow Member):** जो फर्म, ट्रस्ट, कपनी, संयुक्त परिवार, सीमित दायित्व भागीदारी फर्म या व्यक्ति इस संस्था को एकमुश्त रु. 11,00,000/- या अधिक की राशि दान देंगे उन्हें संस्था के द्वारा आश्रयदाता (Fellow) सदस्यता दी जा सकेगी।	**Fellow Member**: The firm, trust, company, joint family, limited liability partnership, or individual who donates to this institution, a minimum amount of **₹11,00,000** or more may be granted Fellow Membership.
(iv)	**सहायक सदस्य (Associate Member):** जो फर्म, ट्रस्ट, कंपनी, संयुक्त परिवार, सीमित दायित्व भागीदारी फर्म या व्यक्ति इस संस्था को एकमुश्त रु. 5,00,000/- या अधिक की राशि दान देंगे उन्हें संस्था के द्वारा सहायक (Associate)सदस्यता दी जा सकेगी।	**Associate Member**: The firm, trust, company, joint family, limited liability partnership, or individual who donates to this institution, a minimum amount of **₹5,00,000** or more may be granted Associate Membership.

Cl No	New Clause	Revised (English)
(v)	**आजीवन सदस्य (Ordinary Member) :** जो व्यक्ति इस संस्था को रु. 1,00,000/- या अधिक की राशि दान देंगे उन्हें संस्था के द्वारा आजीवन(Ordinary) सदस्यता दी जा सकेगी।	**Ordinary Member**: any individual who donetes minimum amount of **₹1,00,000** or more may be granted Ordinary Membership.
(C)	किसी भी सदस्य से पुनः दान राशि मिलने पर, संस्था द्वारा एक ही सदस्य को एक से अधिक श्रेणी में सदस्यता दी जा सकेगी।	On receipt of additional donation from any member, institution may grant membership in more than one category to the same member.
(D)	जिस ट्रस्ट मे सदस्य संख्या 25 से अधिक है उस ट्रस्ट को इस संस्था कि सदस्यता नहीं दी जाएगी।	Any trust having more than 25 members shall not be granted membership of this Institution.
2.	**सदस्यों का प्रतिनिधित्व**	**Representation of Members**
(A)	**विशिष्ट संरक्षक सदस्य(Distinguished Patron Member)**: **विशिष्ट** संरक्षक सदस्य को पाँच **(5)** प्रतिनिधि मनोनीत करने का अधिकार होगा।	**Distinguished Patron Member:** Distinguished Patron member shall have the right to nominate five (5) representatives.
(B)	**संरक्षक सदस्य (Patron Member)**: सरक्षक सदस्य को चार (4) प्रतिनिधि मनोनीत करने का अधिकार होगा।	**Patron Member:** Patron member shall have the right to nominate four (4) representatives.
(B)	**आश्रयदाता सदस्य (Fellow Member):** आश्रयदाता सदस्य को तीन **(3)** प्रतिनिधि मनोनीत करने का अधिकार होगा।	**Fellow Member:** Fellow member shall have the right to nominate three (3) representatives.
(C)	**सहायक सदस्य (Associate Member) :** सहायक सदस्य को दो **(2)** प्रतिनिधि मनोनीत करने का अधिकार होगा।	**Associate Member:** Associate member shall have the right to nominate two (2) representatives
(D)	**आजीवन सदस्य (Ordinary Member):** आजीवन सदस्य व्यक्तिगत रुप से सदस्य हो सकेगा एवं कोई प्रतिनिधि मनोनीत नहीं कर सकेगा।	**Ordinary Member:** Ordinary member may hold membership in an individual capacity and cannot nominate a representative.

Cl No	New Clause	Revised (English)
3	**मताधिकार** नियम संख्या 2 के अनुसार मनोनीत किये गये सभी श्रेणियों के प्रत्येक प्रतिनिधि को अलग-अलग मत देने का अधिकार होगा।	**Voting Right** Each representative, nominated as per Rule No. 2 across all categories of membership, shall have the right to cast an individual vote.
4	**प्रतिनिधि** नियम संख्या 2 के अनुसार मनोनीत किये गये प्रतिनिधि निम्न तरह के व्यक्ति ही हो सकेंगे।	**Representatives** Representatives nominated as per Rule No. 2 shall be maong following types of individual person:
(A)	कम्पनी के संस्थापक, डायरेक्टर एवं कम्पनी द्वारा मनोनीत अन्य कोई उनके परिवार के सदस्य।	Company: Founders and directors of a company, or any other family member nominated by it.
(B)	फर्म एवं सीमित दायित्व भागीदारी फर्म के मालिक, भागीदार एवं इनके द्वारा मनोनीत अन्य कोई उनके परिवार के सदस्य।	Firm or Limited Liability Partnership (LLP): Owners and partners of a firm or LLP or any other family member nominated by it.
(C)	सयुक्त परिवार (HUF) सयुक्त परिवार का कोई भी वयस्क सदस्य।	Joint Family (HUF): any adult member of the joint family.
(D)	ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं ट्रस्ट द्वारा मनोनीत अन्य कोई उनके परिवार के सदस्य।	Trust: Trustee(s) of the trust, or any other family member nominated by it.
(E)	व्यक्ति - स्वयं।	Individual: Self.
(F)	सोसाइटी का अध्यक्ष, मंत्री अथवा अन्य अवैतनिक पदाधिकारी।	The President, Secretary, or other honorary officer of the society.
5	कोई भी व्यक्ति जो 18 वर्ष या इससे अधिक उम्र के हों वे इस संस्था के सदस्य या प्रतिनिधि हो सकेंगे।	Any person 18 years of age or more shall be eligible to be a member or representative of this Institution.
6	**सदस्यता**	**Membership**

Cl No	New Clause	Revised (English)
(A)	इस संस्था के किसी भी श्रेणी के सदस्य बनने के लिए निर्धारित आवेदन पत्र भरना होगा। व्यवस्थापिका सभा द्वारा आवेदन पत्र स्वीकृत होने पर ही वह इस संस्था का सदस्य माना जायेगा।	To become a member of this institution under any category, the applicant shall be required to submit the prescribed application form. The applicant shall be considered a member of this institution only upon approval of the application form by the managing committee.
(B)	किसी आवेदन पत्र पर सभासदो द्वारा विरोध किये जाने की अवस्था में ऐसे किसी भी आवेदन पर निर्णय गुप्त मतदान द्वारा बहुमत से होगा। ऐसी किसी भी अवस्था में व्यवस्थापिका सभा आवेदक को कारण बताने हेतु बाध्य नहीं होगी। लेकिन आवेदक द्वारा प्रदान की गई राशि उसे वापस भुगतान कर दी जाएगी।	In the event of any objection being raised by the members of managing committee against any application for membership, the decision on such application shall be taken by a majority vote through secret ballot, in such case, the managing committee shall not be required to provide any reason or explanation to the applicant for rejection of application. However, any amount contributed or donated by the applicant shall be refunded.
(C)	इस संस्था के रजिस्टर्ड होने से पहले जिन दाताओं ने मारवाड़ी सम्मेलन, मुंबई को इस संस्था के उद्देश्यों के लिये सहायता प्रदान की है वे सहायता की रकम के अनुसार इस संस्था के उसी श्रेणी के सदस्य समझे जाएंगे।	The donors who, prior to the registration of this institution, have provided financial assistance to Marwadi Sammelan, Mumbai, for the objects of this institution shall be considered shall be considered a member of the corresponding category of this institution based on the amount contributed by them.
7	**सदस्य एवं प्रतिनिधि के अधिकार**	**Rights of Members and Representatives**
(A)	प्रत्येक सदस्य को संस्था के नियमों के अनुसार प्रतिनिधि नियुक्त करने अथवा उसे बदलने का अधिकार होगा।	Every member shall have the right to nominate or change their representative in accordance with the rules of the institution.
(B)	प्रतिनिधि को नियुक्त करने अथवा बदलने के लिए लिखित सूचना देनी आवश्यक होगी। ऐसी सूचना प्राप्त होने के पश्चात व्यवस्थापिका सभा की पहली बैठक में विचारार्थ रखी जाएगी। व्यवस्थापिका सभा की स्वीकृति होने के बाद ही प्रतिनिधि नियुक्त हुए अथवा बदले हुए समझे जाएंगे।	For the nomination or change of representative, written information shall be required to be submitted. On receipt of such information, the matter shall be placed for consideration in the following meeting of managing committee. The representative shall be deemed to be appointed or changed only after approval of the managing committee.

Cl No	New Clause	Revised (English)
(C)	व्यवस्थापिका सभा की सदस्यता के लिए चुनाव के समय किसी सदस्य के एक से अधिक प्रतिनिधियों में से सिर्फ एक ही प्रतिनिधि उम्मीदवार हो सकेगा। यदि उस सदस्य के प्रतिनिधियों में से एक से अधिक प्रतिनिधियों के नामांकन पत्र आयेंगे तो ऐसे सभी नामाकन पत्र अवैध समझे जाएंगे।	For the election of a member of the Managing Committee, where a member has more than one authorised representative, only one representative shall be eligible to contest the election. If nomination forms are submitted by more than one representative of the same member, all such nomination forms shall be deemed invalid and shall be liable to be rejected.
(D)	प्रत्येक सदस्य या उपरोक्त नियमों के अन्तर्गत स्वीकृत प्रत्येक प्रतिनिधि को इस संस्था की साधारण सभा और विशेष साधारण सभा के अधिवेशन में उपस्थित होने का अधिकार होगा।	Every member or every representative as approved under the aforesaid rules shall have the right to attend the meetings of General Body and Special General Body of the institution.
(E)	किसी भी श्रेणी के सदस्य आगे लिखे हुए नियम 8 (आठ) के अनुसार सदस्यपद से हट जाने की अवस्था में उसके द्वारा मनोनीत प्रत्येक प्रतिनिधि भी हटे हुए समझे जाएंगे, किन्तु विशेष परिस्थितियों में व्यवस्थापिका सभा उस सदस्य के किसी एक प्रतिनिधि को 6 (छः) महीने अथवा आगामी चुनाव (जो भी पूर्व हो) तक उसी पद पर बने रहने की अनुमति दे सकती है।	A member from any category ceases to be a member in accordance with Rule No. 8 mentioned hereinafter, their representatives nominated by such members shall also be deemed to have ceased. However, in special circumstances, the Managing Committee may permit any one representative of such member to continue in the same position for a period of Six (6) months or until the next election, whichever is earlier.
8	**सदस्य का पदत्याग, निष्कासन अथवा नामांतरण**	**Resignation, Expulsion, or Change in Name of Member**
(A)	जो सदस्य उस संस्था से अलग होना चाहे वह अपने अलग होने की लिखित सूचना देगा। ऐसी सूचना मिलने पर व्यवस्थापिका सभा में विचार होकर सूचना देनेवाले सदस्य का नाम सूची से हटा दिया जाएगा।	Any member who wishes to discontinue their membership from the institution shall submit a written intimation of resignation. Upon receipt of such intimation, the matter shall be considered by the Managing Committee and after approval, the name of the member giving such notice shall be removed from the membership register.
(B)	व्यक्तिगत सदस्य की मृत्यु होने पर उसका नाम सदस्य-सूची से हटा दिया जाएगा।	In the event of death of an individual member, the name of such member shall be removed from the membership register.

Cl No	New Clause	Revised (English)
(C)	फर्म, सीमित दायित्व भागीदारी फर्म, कम्पनी, ट्रस्ट, सोसायटी और सयुक्त परिवार के विघटन होने पर उसका नाम सदस्य-सूची से हटा दिया जाएगा।	In the event of dissolution of a Firm, Limited Liability Partnership Firm, Company, Trust, Society, or joint family, the name of such member shall be removed from the membership register.
(D)	जो सदस्य अथवा प्रतिनिधि इस संस्था के नियमों के विरुध्द आचरण करेगा या संस्था के हितों को हानि पहुंचाने की कोशिश करेगा, वह व्यवस्थापिका सभा की बैठक में उपस्थित सदस्यों के तीन चौथाई (3/4) बहुमत द्वारा सदस्यता से निष्कासित किया जा सकेगा।	Any member or representative who acts in contravention of the rules of the Institution or attempts to cause harm to the interests of the Institution may be expelled from membership by a three-fourths (3/4) majority vote of the members present in the meeting of the Managing Committee.
(E)	संयुक्त परिवार, फर्म, सीमित दायित्व भागीदारी फर्म, लिमिटेड कम्पनी, ट्रस्ट एवं रजिस्टर्ड सोसायटी के वैधानिक रुप से नाम परिवर्तन होने पर, अथवा कानूनी रुप से किसी अन्य संस्था में विलय हो जाने पर उस सदस्य के प्रार्थना पत्र प्राप्त होने पर सदस्य सूची में नाम परिवर्तन किया जाएगा।	In the event of a legally valid change of name of a Joint Family, Firm, Limited Liability Partnership Firm, Limited Company, Trust, or Registered Society or upon its lawful merger with any other entity, the name of such member shall be changed in the membership register upon receipt of an application by the said member.
9	**साधारण सभा** संस्था की साधारण सभा का अधिवेशन वर्ष में एक बार होगा, जो कि संस्था के वित्तीय वर्ष समाप्त होने के पश्चात 6 (छः) महीने के अदर व्यवस्थापिका सभा द्वारा निश्चत हुए दिन, स्थान और समय पर होगा।	**General Assembly** The general assembly of the Institution shall be held once in every year, which shall be convened by the Managing Committee on a date, at a place, and at a time decided by it, within Six (6) months after the closure of the financial year of the Institution.
10	**साधारण सभा के वार्षिक अधिवेशन का कार्यक्रम**	**Agenda of the Annual General Assembly**
(A)	वार्षिक वृतांत, लेखा-परीक्षक द्वारा जांची हुई बैलेंस शीट और आय-व्यय विवरण स्वीकार करना।	To consider and approve the Annual Report, the Balance Sheet duly audited by the Auditor, and the Income and Expenditure Statement of the Institution.

Cl No	New Clause	Revised (English)
(B)	संस्था के हिसाब की जांच करने के लिए हिसाब परीक्षक या परीक्षकों को नियुक्त करना और आवश्यकतानुसार उनका शुल्क निश्चित करना।	To appoint an Auditor or Auditors for the purpose of auditing the accounts of the Institution and to determine their remuneration as may be considered necessary.
(C)	नये वर्ष का अनुमान पत्र (Budget) की पुष्टि करना।	To consider and approve the Budget Estimates for the new financial year.
(D)	नियमावली के अनुसार अन्य कार्य, जो साधारण सभा के वार्षिक अधिवेशन में करने योग्य हो, करना।	To transact any other business in accordance with the rules of the Institution which may be placed before the Annual General Assembly for consideration.
(E)	साधारण सभा के वार्षिक अधिवेशन की निश्चित तारीख से तीन दिन पूर्व प्राप्त कोई विशेष प्रस्ताव कि जिसकी अध्यक्ष से पूर्व अनुमति प्राप्त हो चुकी हो।	To consider any special resolution received at least three days before the date of annual general assembly which are approved by the President.
साधारण सभा के विशेष अधिवेशन और विशेष प्रस्ताव		**Special Assembly of General Body and Special Resolutions**
11.	नियम संख्या 10 में उल्लिखित कार्यों के अतिरिक्त साधारण सभा के वार्षिक अधिवेशन के अन्य प्रस्ताव विशेष प्रस्ताव माने जायेगे।	Any matters other than the matters taken in the Annual General Assembly as specified under Rule No. 10 shall be treated as Special Resolutions.
12.	साधारण सभा के वार्षिक अधिवेशन के अतिरिक्त, सदस्यों के अन्य जो अधिवेशन होंगे, वे साधारण सभा के विशेष अधिवेशन कहलायेंगे।	Apart from the Annual assembly of the General Body, all other assembly of the members shall be called Special assembly of General Body.
13.	संस्था की साधारण सभा का विशेष अधिवेशन, व्यवस्थापिका सभा के निश्चय के अनुसार बुलाया जाएगा अथवा इस संस्था के सभी सदस्यों के 10 प्रतिशत सदस्यों द्वारा जिनकी संख्या 51 से किसी भी अवस्था में कम न होगी, ऐसा अधिवेशन करने के लिए निर्दिष्ट कार्य सहित उनका लिखित प्रार्थनापत्र आने पर बुलाना आवश्यक होगा। इन अधिवेशनों में व्यवस्थापिका सभा द्वारा या प्रार्थना-पत्र भेजने वालों द्वारा निर्दिष्ट किया हुआ कार्य ही विचारार्थ रखा जाएगा।	Special Assembly of General Body of the Institution shall be convened either as decided by the Managing Committee or upon receipt of a written requisition from ten percent (10%) of the total members of the Institution provided that such requisition shall in no case be submitted by less than fifty-one (51) members, specifying the matters to be considered in such assembely. At such Special assembly of General Body, only the matters specified by the Managing Committee or by the members submitting the requisition shall be placed for discussion and consideration.

Cl No	New Clause	Revised (English)
14.	उपरोक्त नियम संख्या 13 में उल्लिखित भेजे जाने वाले प्रार्थनापत्र में उद्देश्यित कार्यवाही का उल्लेख करना प्रार्थियों के लिए अनिवार्य होगा।	It shall be mandatory for the applicants submitting the requisition referred under Rule No. 13 above to mention the matters to be considered.
15.	यदि सदस्यों द्वारा भेजे हुए प्रार्थनापत्र की मांग के अनुसार मंत्री उस प्रार्थना पत्र के मिलने के 60 दिन तक इस संस्था की साधारण सभा का विशेष अधिवेशन न बुलाये तो प्रार्थियों को स्वयं ही ऐसा अधिवेशन बुलाने का अधिकार होगा। इस अधिवेशन में पूर्व प्रार्थनापत्र में निर्दिष्ट कार्यवाही ही सम्पन्न होगी।	If the Secretary fails to convene a Special Assembly of General Body of the Institution within Sixty (60) days from the date of receipt of the requisition submitted by the members, the applicants shall have the right to convene such assembly themselves. In such meeting, only the matters and proceedings specified in the original requisition shall be considered and transacted.
16.	**सूचना, कोरम, अध्यक्षता, स्थगित बैठक और निर्णय**	**Notice, Quorum, Chairmanship, Adjourned Meetings, and Decisions**
(A)	प्रत्येक साधारण सभा या विशेष अधिवेशन के स्थान, समय, तारीख तथा कार्यक्रम की सूचना सदस्यों के उपलब्ध पते पर डाक द्वारा या किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक माध्यम द्वारा नियमानुसार भेजी गई सूचना कम से कम एक सप्ताह पूर्व भेजी जाएगी।	Notice specifying the venue, date, time, and agenda of every annual assembly or Special assembly shall be sent to the members at their available addresses by post or through any electronic mode of communication, in accordance with the rules, at least one week in advance.
(B)	वार्षिक वृतांत, लेखा परीक्षक द्वारा जांची हुई बैलेस शीट एव आय-व्यय विवरण की प्रति साधारण सभा की सूचना के साथ सलग्न करनी होगी।	A copy of the Annual Report, Balance Sheet duly audited by the Auditor, and the Income and Expenditure Statement shall be enclosed with the notice convening the Annual Assembly.
17.	सदस्यों के उपलब्ध पतों पर या किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक माध्यम द्वारा नियमानुसार भेजी गई सूचना नियमित सूचना मानी जाएगी।	Any notice sent in accordance with these Rules to the members at their available addresses by post or through any electronic mode of communication shall be deemed to have been duly and validly served.
18. (A)	प्रत्येक साधारण सभा या विशेष साधारण सभा के अधिवेशन में कोरम 51 सदस्यों का होगा।	The quorum for every Annual Assembly or Special Assembly shall be fifty-one (51) members.

Cl No	New Clause	Revised (English)
(B)	विशेष साधारण सभा अगर संस्था के सदस्यों को प्रार्थना पत्रों के संदर्भ में बुलाई गई हो तो सभी प्रार्थियों या उनमें से कम से कम 51 प्रार्थियों की उपस्थिति दर्ज होने पर ही अधिवेशन के लिए कोरम पूर्ण हुआ माना जाएगा।	Where a Special Assembly is convened pursuant to a requisition submitted by the members of the Institution, the quorum of such assemebly shall deemed to be compete only on recording of presence of all the applicants or not less than fifty-one (51) from applicants.
19.	प्रत्येक साधारण या विशेष साधारण अधिवेशन में नियत समय के बाद 15 मिनट के अंदर अध्यक्ष अथवा किसी भी उपाध्यक्ष के न आने पर उपस्थित सदस्यों को अधिकार होगा कि वे अपने में से किसी सदस्य को उस बैठक का अध्यक्ष चुन लें।	If the President or any of the Vice-Presidents does not arrive within fifteen (15) minutes after the scheduled time of commencement of any General Assembly or Special Assembly of General Body, the members present shall have the right to elect one among themselves to preside as the Chair of that meeting.
20. (A)	किसी साधारण या विशेष साधारण अधिवेशन में नियत समय पर कोरम न होने पर अधिवेशन 30 मिनट के लिए स्थगित कर दिया जाएगा। तत्पश्चात ऐसे स्थगित अधिवेशन में कोरम न हो तो भी अधिवेशन की कार्यवाही नियमित समझी जाएगी।	If the requisite quorum is not present at the scheduled time of any Annual Assembly or Special Assembly of General Body, the meeting shall stand adjourned for thirty (30) minutes. Thereafter, proceeding of such adjourned assembly shall be considered valid without requisite quorum.
(B)	विशेष साधारण सभा अगर सदस्यों से प्राप्त प्रार्थनापत्रो के सदर्भ में बुलाई गई हो तो नियत समय से 30 मिनट तक वांछित सदस्यो के उपस्थित नहीं रहने पर ऐसा अधिवेशन निरस्त समझा जाएगा। तथा ऐसे विषय अगले एक वर्ष तक पुर्नविचार के लिए नहीं लिए जा सकेंगे।	Where a Special Assembly has been convened pursuant to a requisition received from the members, and the requisite number of requisitioning members fail to remain present within thirty (30) minutes of the scheduled time, such meeting shall stand cancelled. The matters specified in such requisition shall not be eligible for reconsideration for a period of one (1) year thereafter.
21.	सभापति कोरम पूर्ण हुई बैठक को भी विशेष अवस्था में स्थगित कर सकेगा, किन्तु इस प्रकार की स्थगित बैठक में अधूरे रहे कार्य के अतिरिक्त दूसरा कार्य न किया जा सकेगा। यदि बैठक 10 दिन से अधिक के लिए स्थगित होगी तो उस बैठक की नई सूचना निकालनी आवश्यक होगी।	The Chairperson may, in special circumstances, adjourn a meeting even where the requisite quorum is present. However, at such adjourned meeting, no business other than the unfinished business of the original meeting shall be transacted. If the meeting is adjourned for a period exceeding ten (10) days, a fresh notice convening the adjourned meeting shall be issued.

Cl No	New Clause	Revised (English)
22.	साधारण सभा के वार्षिक एवं विशेष अधिवेशनों में हर एक प्रश्न का निर्णय उपस्थित सभासदों के बहुमत से होगा। बहुमत का निर्णय सभापति अपने विवेकानुसार हाथ उंचा करा कर या गुप्त मतदान द्वारा करा सकेंगे। गुप्त मतदान कम से कम दस (10) सदस्यों द्वारा मांग किए जाने पर ही होगा। मतों की संख्या समान होने पर निर्णय करने हेतू सभापति द्वारा अपने विशेष मत का प्रयोग किया जा सकेगा।	At the Annual Assembly of General Body and every Special Assembly of General Body, decision against every question shall be decided by a majority of the members present. The Chairperson may, at his discretion, determine the majority either by a show of hands or by secret ballot. A secret ballot shall be conducted only if demanded by not less than ten (10) members. In the event of equality of votes, the Chairperson may exercise a casting vote to determine the matter.
23.	व्यवस्थापिका सभा के पदाधिकारी ही इस संस्था के पदाधिकारी समझे जायेंगे।	Only the office bearers of the Managing Committee shall be deemed to be the office bearers of the Institution.
24.	इस संस्था के अध्यक्ष और मानद मंत्री इसकी प्रत्येक समिति और उपसमिति में पदाधिकृत सदस्य रहेंगे। अध्यक्ष और मंत्री की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष व सयुक्त मत्री उपरोक्त पदेन सदस्यो के स्थान पर क्रमशः कार्य करेगे।	The President and the Honorary Secretary of the Institution shall be ex-officio members of every committee and sub-committee constituted by the Institution. In the absence of the President and the Secretary, the Vice-President and the Joint Secretary shall, respectively, discharge the functions such ex-officio members.
25.	**व्यवस्थापिका सभा का संगठन एवं कार्य** व्यवस्थापिका सभा का गठन निम्न प्रकार से होगा-	**Constitution and Functions of the Managing Committee** **The Managing Committee shall be constituted as follows:**
(A)	इस संस्था के सभी ट्रस्टी।	All Trustees of this Institution.
(B)	अधिकतम उनचालीस (39) अन्य सदस्य निम्न प्रकार के होगे.-	Maximum thirty-nine (39) other members shall be as follows:
(i)	30 (तीस) सदस्य निम्नोक्त श्रेणी से होंगे:-	**30** (thirty) members shall be from the following categories: -
(a)	विशिष्ट संरक्षक सदस्य – छः (6)	Distinguished Patron Member – Six (6)

Cl No	New Clause	Revised (English)
(b)	संरक्षक - दस (10)	Patron Member – Ten (10)
(c)	आश्रयदाता सदस्य – सात (7)	Fellow Member — Seven (7)
(d)	सहायक सदस्य – दो (2)	Associate Member — Two (2)
(e)	आजीवन सदस्य – पाँच (5)	Ordinary Member — Five (5)
(ii)	एक (1) सदस्य श्री मदनलाल नरसिंहदास राजपुरिया ट्रस्ट द्वारा मनोनीत किया जाएगा।	One (1) member shall be nominated by the Shri Madanlal Narsinghdas Rajpuria Trust.
(iii)	तीन **(3)** सदस्य मारवाडी सम्मेलन, मुंबई द्वारा उनकी व्यवस्थापिका सभा के सदस्यों में से ही मनोनीत किए जायेगे। यदि किसी कारणवश ऐसे मनोनीत सदस्य मारवाड़ी सम्मेलन, मुंबई की व्यवस्थापिका सभा के सदस्य नही रहेगे तो वे आरवीजी एज्युकेशनल फाउण्डेशन की व्यवस्थापिका सभा के भी सदस्य नही रहेंगे। मारवाड़ी सम्मेलन, मुंबई द्वारा एक बार सदस्य सदस्यो को मनोनीत कर देने के पश्चात आगामी चुनाव तक मनोनीत सदस्यो में कोई भी परिवर्तन नहीं किया जा सकेगा। परतु ऐसे मनोनीत सदस्य के अयोग्य हो जाने पर रिक्त स्थान की पूर्ति उस संस्था द्वारा की जा सकेगी।	Three (3) members shall be nominated by Marwadi Sammelan, Mumbai amongst the members of its Managing Committee. If, for any reason, any such nominated member ceases to be a member of the Managing Committee of Marwadi Sammelan, Mumbai, he/she shall simultaneously cease to be a member of the Managing Committee of RVG Educational Foundation. Once Marwadi Sammelan, Mumbai has nominated its members, no change in such nominated members shall be made until the next election. However, if any nominated member becomes disqualified or the office otherwise falls vacant, such vacancy may be filled by Marwadi Sammelan, Mumbai by nominating another eligible member.
(iv)	शेष पाँच (5) सदस्य किसी भी श्रेणी के सदस्यो में से नवगठित व्यवस्थापिका सभा द्वारा सह-नियुक्त (को-आप्ट) किए जाएंगे।	The remaining five (5) members shall be co-opted by the newly constituted Managing Committee from the members belonging to any category of membership.

Cl No	New Clause	Revised (English)
26. (A)	व्यवस्थापिका सभा के लिए उपरोक्त नियम संख्या 25 (B) (i) के अनुसार पाँच श्रेणियों के 30 (तीस) सदस्यों के चुनाव प्रति तीसरे वर्ष उस वर्ष की साधारण वार्षिक सभा से पहले या साधारण वार्षिक सभा के दिन होगा। चुनाव की तारीख से 2 वर्ष पूर्व तक बने सदस्य ही चुनाव के लिए नामांकन पत्र भर सकेंगे।	The election of thirty (30) members representing the five categories specified under Rule No. 25(B)(i) to the Managing Committee shall be held every third year, either prior to or on the date of the Annual General Body Meeting of the relevant year. Only those members who have held membership for a minimum period of two (2) years as on the date of the election shall be eligible to file their nomination for election.
	चुनाव की सूचना और नामांकनपन्त्र	**Notice of Election and Nomination Forms**
(B)	चुनाव की तारीख की सूचना प्रत्येक मतदाता के पास कम से कम चुनाव से 21 दिन पूर्व भेज दी जायेगी। इस सूचना में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चुनाव की पूरी कार्यवाही होगी। इस संबंध में चुनाव अधिकारी मंडल के निर्णय सभी पर बाध्यकारी होंगे।	Notice of the election shall be sent to every eligible voter at least twenty-one (21) days prior to the date of the election. The entire election process shall be conducted strictly in accordance with the schedule specified in such notice. The decisions of the Election Officer or the Election Board/Committee in all matters relating to the election shall be final and binding on all concerned.
	निर्वाच्य सदस्यों की सूची	**List of Eligible Candidates**
(C)	नियम संख्या 26 (B) के अनुसार निर्वाच्य 30 सदस्यों के स्थानों के लिए जो उम्मीदवार होंगे उनकी सूची सदस्यों की अलग-अलग श्रेणी के अनुसार तैयार की जाएगी। अगर किसी श्रेणी में उम्मीदवारों की संख्या निर्वाच्य संख्या के समान अथवा उससे कम होगी तो ऐसी श्रेणी के उम्मीदवार स्वतः ही चुने हुए समझे जायेंगे एवं उस श्रेणी में फिर कोई चुनाव नहीं होगा। उम्मीदवारों की तैयार की हुई सूची, चुनाव की सूचना के साथ, चुनाव की तारीख के कम से कम 7 (सात) दिन पूर्व मतदाताओं को भेज दी जायेगी तथा संस्था के कार्यालय के सूचना पट्ट (Notice Board) पर लगा दी जायेगी।	In accordance with Rule No. 26(B), a separate list of candidates shall be prepared for each category of membership in respect of the thirty (30) elective positions on the Managing Committee. Where the number of candidates in any category is equal to or less than the number of vacancies available in that category, such candidates shall be deemed to have been duly elected unopposed, and no election shall be held for that category. The final list of candidates shall be circulated to all eligible voters along with the notice of election at least seven (7) days prior to the date of the election and shall also be displayed on the Institution's Notice Board at its office.

Cl No	New Clause	Revised (English)
	मतदान, मतगणना और मतपत्रक	**Voting, Counting of Votes, and Ballot Papers**
(D)	व्यवस्थापिका सभा द्वारा चुनाव की तारीख से पहले चुनाव अधिकारी मंडल की नियुक्ति की जाएगी। चुनाव करवाने के लिए व्यवस्थापिका सभा द्वारा संस्था के अध्यक्ष या उपाध्यक्ष एवं अन्य दो व्यक्ति (जो कि चुनाव में उम्मीदवार नहीं हो सकेंगे) के मंडल को चुनाव अधिकारी के रुप में नियुक्त करेगी। चुनावों से संबंधित किसी भी मामले में ऐसे मंडल द्वारा लिया गया निर्णय अंतिम रहेगा। परन्तु इस नियम के अनुसार भी अध्यक्ष या उपाध्यक्ष को चुनाव में भाग लेने का अधिकार होगा।	Prior to the date of the election, the Managing Committee shall appoint an Election Board / Committee to conduct the election. The Election Board / Committee shall consist of the President or a Vice-President of the Institution and two other persons, none of whom shall be candidates in the election. Such Board / Committee shall act as the Election Officers for conducting the election. The decision of the Election Board / Committee in all matters relating to the conduct of the election shall be final and binding. Notwithstanding the above, the President or the Vice-President, as the case may be, shall remain eligible to contest and participate in the election in accordance with these Rules.
(E)	चुनाव मतपत्रक द्वारा होगा। चुनाव के पहले अध्यक्ष, उपाध्यक्ष या चुनाव अधिकारी तथा मतगणना करने वालो की उपस्थिति में मतदान पेटी में मोहर लगा दी जायेगी। यह मोहरबद मतदानपेटी चुनाव के दिन चुनाव अधिकारी द्वारा निश्चित किये गये स्थान एवं समय पर रखी जायेगी। उपरोक्त समय के अन्दर जो मतदाता मत देने के लिए उपस्थित होंगे, उनमें से प्रत्येक को एक मतपत्रक हस्ताक्षर लेकर दे दिया जायेगा। इस प्रकार जो मतदाता चुनाव में मत देना चाहे, उनको उक्त स्थान और समय पर आकर मतपत्रक लेकर नियमों के अनुसार निम्नलिखित श्रेणीवार मत देना होगा। (i) विशिष्ट संरक्षक सदस्य – छः (6) (ii) संरक्षक सदस्य – दस (10) (iii) आश्रयदाता सदस्य – सात (7) (iv) सहायक सदस्य – दो (2)	The election shall be conducted by secret ballot. Prior to the commencement of polling, the ballot box shall be sealed in the presence of the President, Vice-President or the Election Board / Committee, and the persons appointed for counting of votes. The sealed ballot box shall be kept at the place and during the time fixed by the Election Board Committee on the day of the election. Every eligible voter who is present within the prescribed polling hours shall, upon signing the register, be issued one (1) ballot paper. A voter wishing to cast his/her vote shall obtain the ballot paper and cast votes, in accordance with these Rules, for the following category-wise vacancies: • Distinguished Patron Members – Six (6) • Patron Members – Ten (10) • Fellow Members – Seven (7) • Associate Members – Two (2) • Ordinary Members – Five (5)

Cl No	New Clause	Revised (English)
	(v) आजीवन सदस्य - पाँच (5)	
(F)	उम्मीदवारों को मत देते समय उनके नामों के सामने गुणित (X) का चिन्ह बनाना होगा और तत्पश्चात मतपत्रक मतदान पेटी में डाल देना होगा। परन्तु एक मतदाता, एक उम्मीदवार को, एक से अधिक मत नहीं दे सकेगा।	While casting votes, the voter shall mark a cross (X) against the names of the candidates of his/her choice on the ballot paper and shall thereafter deposit the ballot paper in the ballot box. However, no voter shall cast more than one vote in favour of the same candidate.
(G)	प्रत्येक मतदाता को नियम संख्या 26 (C) के अनुसार उसी श्रेणी के निर्वाच्य सदस्यों को निर्धारित संख्या के अनुसार जितने मत देने का अधिकार होगा, उसके द्वारा उससे ज्यादा या कम मत देने पर मतपत्रक अवैध घोषित किया जायेगा।	Each voter shall be entitled to cast votes only for the prescribed number of elective positions in each category, as specified under Rule No. 26(C). If a voter casts more or fewer votes than the prescribed number for any category, the ballot paper shall be declared invalid.
(H)	चुनाव के पश्चात मतपेटियां चुनाव अधिकारी मंडल द्वारा खोली जायेगी। प्रत्येक श्रेणी के अनुसार अधिकतम मत प्राप्त करनेवाले उतने उम्मीदवारों को व्यवस्थापिका सभा के सदस्य के रुप में निर्वाचित घोषित किया जाएगा।	Upon completion of the polling, the ballot boxes shall be opened by the Election Board/Committee. In each category, the candidates securing the highest number of valid votes, to the extent of the number of vacancies available in that category, shall be declared elected as members of the Managing Committee.
(I)	किसी भी श्रेणी के उम्मीदवारों को समान मत मिलने के कारण यदि निर्वाचन में अडचन पडेगी तो चुनाव अधिकारी लॉटरी निकालकर चुनाव की घोषणा करेंगे। मतों की वैधानिकता के सम्बन्ध में शंका उपस्थित होने पर उसका निर्णय चुनाव अधिकारी मंडल में बहुमत द्वारा किया जायेगा तथा वह निर्णय अंतिम होगा।	If, in any category, two or more candidates secure an equal number of votes resulting in a tie that affects the declaration of the election result, the Election Board / Committee shall determine the successful candidate(s) by drawing lots. In the event of any dispute or doubt regarding the validity of votes or ballot papers, the matter shall be decided by a majority decision of the Election Board / Committee, and such decision shall be final and binding.
(J)	यदि निर्वाचित सदस्यों की संख्या नियम संख्या 25(B)(1) में निर्धारित संख्या से कम हो, तो व्यवस्थापिका सभा रिक्त स्थानों की पूर्ति हेतु सदस्यों की नियुक्ति (Co-opt.) कर सकेगी।	If the number of elected members is less than the number prescribed in Rule 25(B)(i), the Managing Committee may co-opt members to fill the vacancies.

Cl No	New Clause	Revised (English)
	मनोनीत प्रतिनिधि एवं पदाधिकारियों का चुनाव	**Election of Nominated Representatives and Office Bearers**
(K)	श्री मदनलाल नरसिंहदास राजपुरिया ट्रस्ट द्वारा मनोनीत एक प्रतिनिधि तथा मारवाड़ी सम्मेलन, मुंबई द्वारा नियम संख्या 25 (B) (iii) के अनुसार मनोनीत अधिकतम 3 (तीन) प्रतिनिधि इस संस्था के आगामी चुनाव तक ही व्यवस्थापिका सभा के सदस्य समझे जायेगे। नियम संख्या 26 (B) के अनुसार चुनाव की तारीख निर्धारित होने पर आरवीजी एज्युकेशनल फाउण्डेशन द्वारा श्री मदनलाल नरसिंहदास राजपुरिया ट्रस्ट एवं मारवाडी सम्मेलन, मुंबई को सूचना दे दी जायेगी। इस सूचना के मिलने पर चुनाव के दिन तक यदि उनके मनोनीत नहीं किये गये तो ट्रस्टीगण एवं चुने हुए सदस्य व सह-नियुक्त (को-ऑप्टेड) सदस्यों से गठित इस संस्था की व्यवस्थापिका सभा पदाधिकारियों के चुनाव कर सकेगी।	The one (1) representative nominated by the Shri Madanlal Narsinghdas Rajpuria Trust and the maximum of three (3) representatives nominated by Marwadi Sammelan, Mumbai under Rule No. 25(B)(iii) shall hold office as members of the Managing Committee only until the next election of the Institution. Upon the election date being fixed under Rule No. 26(B), RVG Educational Foundation shall notify Shri Madanlal Narsinghdas Rajpuria Trust and Marwadi Sammelan, Mumbai accordingly. If their respective nominations are not received by the date of the election, the Managing Committee of the Institution, consisting of the Trustees, the elected members, and the co-opted members, shall be competent to proceed with the election of the Office Bearers.
(L)	पदाधिकारी निम्नलिखित होंगे : अध्यक्ष 1 उपाध्यक्ष 2 मंत्री 1 संयुक्त मंत्री 3 कोषाध्यक्ष 1 संयुक्त कोषाध्यक्ष 1	**The Office Bearers of the Institution shall consist of the following:** • **President – One (1)** • **Vice-Presidents – Two (2)** • **Secretary – One (1)** • **Joint Secretaries – Three (3)** • **Treasurer – One (1)** • **Joint Treasurer – One (1)**
(M)	अध्यक्ष, मंत्री एवं कोषाध्यक्ष का चुनाव सदस्यों द्वारा ट्रस्टियों एवं नियम संख्या 25 (B) (i) के अनुसार चुने हुए 30 सदस्यों में से ही होगा।	The President, Secretary, and Treasurer shall be elected by the members from amongst the Trustees and the thirty (30) members elected under Rule No. 25(B)(i).

Cl No	New Clause	Revised (English)
(N)	कोई भी संस्था एवं सदस्य ऐसे किसी भी व्यक्ति को मनोनीत नहीं कर सकेंगे जिन्हें संस्था द्वारा पूर्व में सदस्यता से निष्काषित कर दिया गया हो, अथवा जिनकी सदस्यता हेतु आये हुए आवेदन पत्र व्यवस्थापिका सभा द्वारा अस्वीकृत किए गए हों।	No institution or member shall nominate any person who has previously been expelled from the membership of the Institution or whose application for membership has been rejected by the Managing Committee.
	अध्यक्षता	**Chairmanship**
27.	संस्था की साधारण सभाओं, विशेष साधारण सभाओं एवं व्यवस्थापिका सभा की सभाओं में संस्था का अध्यक्ष अथवा उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति में उस बैठक में उपस्थित सदस्यों में से कोई एक को उसी बैठक के लिए सभापति चुना जायेगा।	The President / Vice President of the Institution shall preside over all General Body Meetings, Special General Body Meetings, and meetings of the Managing Committee. In the absence of the President and the Vice-President, the members present at such meeting shall elect one among themselves to act as the Chairperson for that meeting only.
	व्यवस्थापिका सभा के कर्तव्य और अधिकार	**Duties and Powers of the Managing Committee**
28.	उपर्युक्त नियमों और उद्देश्यों तथा इस नियमावली के अन्तर्गत रहते हुए व्यवस्थापिका सभा के निम्नलिखित अधिकार होंगे।	Subject to the aforesaid provisions and the Objects, and the provisions of the Rules and Regulations, Powers of the Managing Committee shall be as follows:
(A)	संस्था द्वारा संचालित एवं व्यवस्थित संस्थाओं के नियम और उपनियम बनाना, बदलना और रद्द करना।	To frame, amend, modify, and repeal the rules and by-laws governing the institutions established, administered, or managed by the Institution.
(B)	संस्था के कोष के लिए धन प्राप्त करना, रखना, विनियोग, देना, प्रबन्ध करना और इसकी उद्देश्यपूर्ति में व्यय करना।	To receive, hold, invest, disburse, administer, and manage the funds of the Institution, and to apply the same towards the attainment of the Objects of the Institution.
(C)	व्यवस्थापिका सभा आवश्यक या उचित समझे ऐसे मुकदमे प्रारम्भ करना, दायर करना, पैरवी करना और बचाव करना, तत्कालीन व्यवस्थापिका सभा तथा उसके द्वारा नियमानुसार नियुक्त किसी भी व्यक्ति को यह अधिकार	To institute, file, prosecute, defend, compromise, or otherwise conduct such legal proceedings as the Managing Committee may consider necessary or expedient. The Managing Committee in office, or any person duly authorised by it in accordance with these Rules, shall have the authority, on behalf of the Institution, to issue, execute, sign, verify, and file warrants, pleadings,

Cl No	New Clause	Revised (English)
	होगा, कि वह संस्था की ओर से वारंट जारी करे, तामिल करे, हस्ताक्षर करे, हस्ताक्षर तथा कार्यवाही करे और मुकदमा दायर करे या बचाव करे।	affidavits, vakalatnamas, applications, and other legal documents, and to institute, prosecute, defend, or otherwise conduct any legal proceedings on behalf of the Institution.
(D)	अपने निश्चयानुसार संस्था की वार्षिक आय एवं व्यय का अंश स्थायी कोष में जमा करना।	To allocate, from time to time and at its discretion, such portion of the Institution's annual income and surplus as it may deem appropriate to the permanent fund of the Institution.
(E)	आवश्यकतानुसार वैतनिक मंत्री अथवा अन्य अधिकारी या कर्मचारी नियुक्त करना, निकालना या उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करना।	To appoint, remove or take disciplinary action against the paid Secretary or any other officer or employee, as may be considered necessary.
(F)	ट्रस्ट बोर्ड द्वारा समय समय पर दिये गये सभी निर्देशों का यथावत् पालन करना।	To duly comply with and implement all instructions issued by the Trust Board from time to time.
(G)	आवश्यकतानुसार उप-समितियों का गठन करना तथा उनके कार्य, उत्तरदायित्व एवं कर्तव्यों का निर्धारण कर उन्हें आवश्यक कार्यवाही करने हेतु अधिकृत करना।	To constitute sub-committees as and when considered necessary, define their functions, responsibilities, and duties and authorize them to undertake necessary actions.
(H)	वर्ष के मध्य में यदि व्यवस्थापिका सभा के किसी सदस्य का स्थान धारा 30(A), (B) और (C) के अनुसार अथवा किसी अन्य कारण से रिक्त हो जाए, तो उस रिक्त स्थान की पूर्ति हेतु साधारण सभा द्वारा नियुक्त किए जाने के लिए योग्य सदस्य के नाम का सुझाव देना।	If any seat is vacant in the Managing Committee as per Rule No. 30(A), (B) or (C) or for any other reason, the Managing Committee may recommend the name of an eligible member to the Geenral Body for filling such vacancy.
29.	नई व्यवस्थापिका सभा का कार्यकाल साधारण सभा के दूसरे दिन से प्रारम्भ हो जाएगा। लेकिन जब तक पदाधिकारियों का चुनाव नहीं होगा, तब तक गत वर्ष का मंत्री कार्य करेगा।	The term of office of the newly constituted Managing Committee shall commence from the second day after the General Assembly. However, until the election of the Office Bearers is completed, the Secretary of the previous year shall continue to discharge the duties of the office.
30	**व्यवस्थापिका सभा-सभा की सदस्यता से त्याग**	**Resignation from Membership of the Managing Committee**

Cl No	New Clause	Revised (English)
(A)	यदि व्यवस्थापिका सभा का कोई भी सदस्य किसी कारण से सभा की सदस्यता से पृथक होना चाहे तो वह अपना लिखित त्यागपत्र देकर व्यवस्थापिका सभा की स्वीकृति से सभा की सदस्यता से पृथक हो सकेगा।	If any member of the Managing Committee desires to relinquish his membership of the Managing Committee for any reason, such member may submit a written resignation. The member shall cease to be a member of the Managing Committee only after acceptance and approval of the resignation by the Managing Committee.
(B)	निम्नलिखित कारणों से भी व्यवस्थापिका सभा के सदस्य का स्थान अपने आप (Ipsofacto) रिक्त हो जायेगा। (i) सदस्य द्वारा प्रतिनिधि न रहने पर। (ii) मानसिक संतुलन खोने पर। (iii) मृत्यु हो जाने पर। (iv) सदस्यता रद्द हो जाने पर। (v) दिवालिया घोषित होने पर। (vi) किसी भी कोर्ट द्वारा छह महिने से अधिक कारावास की सजा होने पर।	The office of a member of the Managing Committee shall automatically (ipso facto) become vacant on the occurrence of any of the following events: (i) Member ceases to be a representative. (ii) Loses mental capacity or becomes unsound mind. (iii) Upon death. (iv) On termination of membership. (v) On declared insolvent. (vi) On sentenced of imprisonment exceeding six (6) months by any Court.
(C)	किसी सदस्य द्वारा बिना लिखीत सूचना के लगातार एक वर्ष तक अथवा लगातार तीन बैठकों (इनमें से जो समय अधिक हो) में अनुपस्थित रहने पर व्यवस्थापिका सभा से सदस्यता स्वतः रिक्त हो जायेगी। परन्तु यह नियम ट्रस्टी सदस्यों पर लागू नहीं होगा।	If any member remains absent from the meetings of the Managing Committee continuously for a period of one year without giving written notice or remains absent from three consecutive meetings (whichever period is longer), the membership of such member of the Managing Committee shall automatically become vacant. However, this provision shall not apply to Trustee Members.
(D)	वर्ष के बीच में यदि व्यवस्थापिका सभा के किसी सदस्य का स्थान धारा 30 (A), (B) और (C) के अनुसार अथवा अन्य किसी कारण से रिक्त हो जाये तो आगामी साधारण सभा द्वारा व्यवस्थापिका सभा द्वारा सुझाए गए सदस्यों में से उक्त स्थान की पूर्ति की जाएगी।	If the position of any member of the Managing Committee becomes vacant during the year due to the reasons specified under Rule No. 30(A), (B), and (C), or due to any other reason, such vacancy shall be filled by the forthcoming Annual General Assembly from the names of eligible members recommended by the Managing Committee.

Cl No	New Clause	Revised (English)
31.	व्यवस्थापिका सभा के सदस्य के रिक्त स्थान की पूर्ति तक व्यवस्थापिका सभा के शेष सदस्य नियमानुसार कार्यवाही कर सकेंगे।	Until the filling of vacancy of the member of the Managing Committee, the remaining members of the Managing Committee shall be entitled to carry out the affairs and functions.
32.	**व्यवस्थापिका सभा और उपसमितियों की बैठक, सूचना व कोरम आदि**	**Meetings of the Managing Committee and Sub-Committees, Notice, Quorum, etc.**
(A)	व्यवस्थापिका सभा की बैठक कम से कम तीन महीने में एक बार हुआ करेगी। किन्तु आवश्यकता पड़ने पर या अध्यक्ष की आज्ञा से अथवा व्यवस्थापिका सभा के कम से कम ग्यारह (11) सदस्यों के लिखित प्रार्थनापत्र आने पर मंत्री किसी भी समय बैठक बुला सकेगा।	The meeting of the Managing Committee shall be held at least once every three months. However, whenever required or with the approval of the President of the institution or upon receipt of a written requisition from at least eleven (11) members of the Managing Committee, the Secretary may convene a meeting at any time.
(B)	यदि ग्यारह (11) सदस्यों के लिखित प्रार्थनापत्र पर मंत्री ने व्यवस्थापिका सभा की बैठक सात दिन के अन्दर न बुलाई तो अध्यक्ष या प्रार्थी नियमानुसार सूचना देकर विशेष बैठक बुला सकेगे। किन्तु ऐसी बैठक में वही कार्यवाही हो सकेगी जिसका उल्लेख प्रार्थनापत्र में हो चुका है।	If the Secretary fails to convene the meeting of the Managing Committee within seven (7) days from the receipt of a written requisition submitted by eleven (11) members, the President or the requisitioning members shall be entitled to call a special meeting by issuing notice in accordance with the Rules. However, in such meeting, only those matters shall be considered and transacted which were specifically mentioned in the requisition.
(C)	व्यवस्थापिका सभा की सूचना सभी सदस्यों को स्थान, दिन, समय तथा विशेष कार्य की अवस्था में उसके सामान्य रुप का उल्लेख करते हुए तीन दिन पूर्व डाक या पत्रवाहक अथवा संचार के किसी भी माध्यम द्वारा दी जायेगी।	Notice of the meeting of the Managing Committee shall be given to all members at least three (3) days in advance through post, messenger, or any other mode of communication, specifying the place, date, time, and, in case of any special meeting a brief description thereof.
(D)	अत्यंत आवश्यक कार्यवश मंत्री कम से कम तीन घंटे पूर्व सूचना देकर व्यवस्थापिका सभा की बैठक बुला सकेगा। यदि किसी कारण से किसी भी सदस्य के पास सूचना न भी पहुंची हो तो भी उस निमित्त से सभा की कार्यवाही अनियमित नहीं ठहरायी जायेगी। किन्तु मंत्री का कर्तव्य होगा कि वह ऐसी बैठक की कार्यवाही का विवरण प्रत्येक ऐसे सदस्य को भेज दे।	In case of any urgent business, the Secretary may convene a meeting of the Managing Committee by giving at least three (3) hours' prior notice. If, for any reason, the notice does not reach any member, the proceedings of such meeting shall not be deemed invalid or irregular. However, it shall be the duty of the Secretary to send the minutes and proceedings of such meeting to every such member.

Cl No	New Clause	Revised (English)
33.	व्यवस्थापिका सभा के सदस्यों के पास मंत्री द्वारा लिखित प्रस्ताव परिपत्र (circular) से भेजने पर उसके पक्ष में बहुमत आने की अवस्था में वह प्रस्ताव नियमित समझा जायेगा। ऐसे भी प्रस्ताव की अगली बैठक में नोंद ली जाएगी।	Any proposal circulated in writing by the Secretary among the members of the Managing Committee shall be deemed to have been duly passed and valid if it receives the approval of the majority of the members. Such proposal shall also be placed on record and noted in the minutes of the next Managing Committee meeting.
34.	व्यवस्थापिका सभा की प्रत्येक बैठक का कोरम पंद्रह (15) सदस्यों का होगा।	The quorum for every meeting of the Managing Committee shall be fifteen (15) members.
35. (A)	कोरम के अभाव में स्थगित बैठक 30 मिनिट पश्चात उसी दिन, उसी स्थान पर होगी। ऐसी स्थगित व्यवस्थापिका सभा की बैठक में केवल पूर्व निर्धारित कार्यवाही ही होगी और उसके लिए कोरम की आवश्यकता नहीं होगी।	If a meeting of the Managing Committee is adjourned due to lack of quorum, the adjourned meeting shall be held on the same day and at the same place after thirty (30) minutes. In such adjourned meeting of the Managing Committee, only the business specified in the original agenda shall be transacted, and no quorum shall be required for such adjourned meeting.
(B)	यदि व्यवस्थापिका सभा की बैठक प्रार्थियों द्वारा बुलाई गई हो तो कोरम के अभाव में बैठक 30 मिनट के लिए स्थगित कर दी जाएगी। किन्तु 30 मिनिट के पश्चात भी अगर कोरम पूर्ण नहीं हुआ हो तो व्यवस्थापिका सभा की ऐसी बैठक निरस्त समझी जाएगी।	If a meeting of the Managing Committee is convened by the requisitioning members and the quorum is not present, the meeting shall be adjourned for thirty (30) minutes. However, if the quorum is still not present after thirty (30) minutes, such meeting of the Managing Committee shall be deemed to have been cancelled.
36.	व्यवस्थापिका सभा के निर्णय बहुमत से होंगे। समान मत होने की अवस्था में सभापति अपना विशेष मत देकर निर्णय करेंगे।	The decisions of the Managing Committee shall be taken by a majority of votes. In the event of equality of votes, the Chairperson shall exercise a casting vote to decide the matter.
37. (A)	व्यवस्थापिका सभा और उपसमितियों की कार्यवाहियां एक निश्चित रजिस्टर में लिखी जाया करेंगी।	The proceedings and minutes of the meetings of the Managing Committee and Sub-Committees shall be recorded and maintained in a prescribed register maintained for this purpose.
(B)	साधारण सभा के सभी अधिवेशनों की कार्यवाही व्यवस्थापिका सभा की बैठक में रखी जायेगी और उसमें उसी स्वीकार कर उस बैठक के सभापति एवं मंत्री हस्ताक्षर करेंगे।	The proceedings of all meetings of the General Assembly shall be placed before the Managing Committee meeting for consideration and approval. After being duly approved, the same shall be signed by the Chairperson and the Secretary of the meeting.

Cl No	New Clause	Revised (English)
38.	व्यवस्थापिका सभा अथवा उपसमितियों की कार्यवाहियों पर आगामी बैठक में उस बैठक के सभापति हस्ताक्षर करेंगे।	The proceedings of the meetings of the Managing Committee or Sub-Committees shall be signed by the Chairperson of the respective committes of the subsequent meeting.
39.	संस्था के संचालन कार्य का तमाम खर्च और वेतनादि तथा व्यवस्थापिका सभा द्वारा स्वीकृत अन्यान्य समस्त व्यय संस्था के कोष से होगा।	All expenses incurred for the functioning and administration of the Institution, including salaries, remuneration, and all other expenses approved by the Managing Committee, shall be met out of the funds of the Institution.
40.	हिसाब की बहियां, कार्यवाही पुस्तक व अन्य दस्तावेज के कागजाद एवं इलेक्ट्रॉनिक रेकॉर्ड संस्था के कार्यालय अथवा व्यवस्थापिका सभा के निश्चयानुसार निश्चित स्थान पर रखे जायेंगे।	The books of accounts, minutes/proceedings books, and all other documents, papers, records, and electronic records of the Institution shall be maintained and kept at the office of the Institution or at such other place as may be decided by the Managing Committee.
41.	व्यवस्थापिका सभा प्रति वर्ष संस्था की साधारण सभा के समक्ष, संस्था का अकेक्षित हिसाब, बैलेंस शीट एवं आय-व्यय विवरण एवं संस्था द्वारा संचालित सभी संस्थाओं तथा पदाधिकारियों द्वारा गत वर्ष में किये गये कार्यों का वृतांत प्रस्तुत करेगी।	Every year, the Managing Committee shall place before the Annual General Assembly of the Institution the audited accounts, Balance Sheet, Income and Expenditure Statement of the Institution, along with a report of the activities carried out by the office bearers during the preceding year of the institutions and other institutions managed and operated by this Institution.
42.	व्यवस्थापिका सभा की बैठक संस्था के कार्यालय या अन्य सुविधाजनक स्थान पर बुलाई जा सकेगी।	The meetings of the Managing Committee may be convened at the office of the Institution or at any other convenient place as may be decided.
43.	**बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज**	**Board of Trustees**
(A)	संस्था के कोष एवं संपत्तियों की व्यवस्था के लिए ट्रस्टियों का एक बोर्ड रहेगा। इस संस्था की समस्त संपत्तियों का स्वामित्व बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज में निहित होगा। ऐसे ट्रस्ट मण्डल में न्यूनतम छः (6) और अधिकतम छत्तीस (36) ट्रस्टी होगे। बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की संरचना निम्न प्रकार से होगी।	A Board of Trustees shall be constituted for the management and administration of properties and funds of the Institution. The ownership of all properties of the Institution shall be tested in the Board of Trustees. The Board of Trustees shall consist of a minimum of six (6) and a maximum of thirty-six (36) Trustees. The composition of the Board of Trustees shall be as follows:

Cl No	New Clause	Revised (English)
(i)	बीस (20) ट्रस्टी सभासदों द्वारा नियम संख्या 43 (B) में वर्णित नियमों के अनुसार चुने जाएंगे एवं चुने हुए ट्रस्टियों की सूचना साधारण सभा में दी जाएगी।	Twenty (20) Trustees shall be elected by the members in accordance with the provisions specified under Rule No. 43(B) and the names of the elected Trustees shall be placed before and communicated in the General Assembly.
(ii)	एक (1) ट्रस्टी श्री मदनलाल नरसिंहदास राजपुरिया ट्रस्ट द्वारा मनोनीत होगा।	One (1) Trustee shall be nominated by Shri Madanlal Narsinghdas Rajpuria Trust.
(iii)	दो (2) ट्रस्टी मारवाड़ी सम्मेलन, मुम्बई द्वारा मनोनीत होगे।	Two (2) Trustees shall be nominated by Marwadi Sammelan, Mumbai.
(iv)	चार (4) ट्रस्टी मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड द्वारा मनोनीत होंगे।	Four (4) Trustees shall be nominated by M/s. Motilal Oswal Financial Services Limited.
(v)	दो (2) ट्रस्टी-सर्वश्री विजय खेतान ग्रुप फाउंडेशन (वी के जी फाउंडेशन) द्वारा मनोनीत होंगे।	Two (2) Trustees shall be nominated by M/s. Vijay Khetan Group Foundation (VKG Foundation).
(vi)	दो (2) ट्रस्टी-सर्वश्री कैपरी फाउंडेशन द्वारा मनोनीत होंगे।	Two (2) Trustees shall be nominated by M/s. Capri Foundation.
(vii)	चार (4) ट्रस्टी भविष्य में विशेष दानदाताओं में से ट्रस्ट बोर्ड द्वारा मनोनीत किए जा सकेंगे।	Four (4) Trustees may be nominated by the Board of Trustees in future from the special donors.
(viii)	एक (1) ट्रस्टी संस्था का पदेन अध्यक्ष	One (1) Trustee shall be the ex-officio President of the Institution.
(B)	ट्रस्टीयों के चुनाव के सम्बन्ध में मनोनयन पत्र दाखिल करने, वापस लेने, सूची तैयार करने, सूची भेजने तथा मतपत्र देने के बारे में वही नियम लागू होंगे जो व्यवस्थापिका सभा के सदस्यों के चुनाव के लिए बनाए गए है।	In relation to the election of Trustees, the same rules and procedures as prescribed for the election of members of the Managing Committee shall apply with regard to submission of nomination papers, withdrawal of nominations,

Cl No	New Clause	Revised (English)
		preparation of the list of candidates, circulation of the list, and issuance of ballot papers.
(C)	कोई भी व्यक्ति पाँच (5) वर्ष तक संस्था का सदस्य रहे बिना ट्रस्टियों के चुनाव के लिए उम्मीदवार नहीं हो सकेगा। लेकिन यह समय सीमा विशिष्ट संरक्षक सदस्य के लिए दो वर्ष की होगी।	No person shall be eligible to contest the election for the post of Trustee unless such person has been a member of the Institution for a minimum period of five (5) years. However, in the case of a Distinguished Patron Member, the minimum required period shall be two (2) years.
(D)	नियम संख्या 43(A)(ii), 43(A)(iii), 43(A)(iv), 43(A)(v), 43(A)(vi) and 43(A)(vii) में उल्लिखित संस्थाओं अथवा कंपनियों द्वारा मनोनीत किए जाने वाले ट्रस्टियों का चयन संबंधित संस्था अथवा कंपनी द्वारा अपने यहां निर्धारित एवं प्रचलित उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए किया जाएगा। ऐसे ट्रस्टियों का चयन प्रत्येक चुनावी वर्ष में चुनाव प्रक्रिया के दौरान किया जाएगा। ऐसी संस्थाओं अथवा कंपनियों द्वारा मनोनीत किए जाने वाले ट्रस्टियों का चयन संबंधित संस्था अथवा कंपनियों के प्रोमोटर डायरेक्टर / प्रोमोटर ट्रस्टी या प्रोमोटर डायरेक्टर / प्रोमोटर ट्रस्टी के कोई पारिवारिक सदस्य हो सकेंगे। इस हेतु संस्था द्वारा संबंधित संस्थाओं अथवा कंपनियों को लिखित रूप से सूचित किया जाएगा कि वे संस्था के संविधान एवं नियमावली के प्रावधानों के अनुरूप अपने द्वारा मनोनीत किए जाने वाले ट्रस्टी/ट्रस्टियों के नाम निर्धारित समय-सीमा के भीतर भेजें।	The selection of Trustees to be nominated by the institution or companies referred to in Rules 43(A)(ii), 43(A)(iii), 43(A)(iv), 43(A)(v), 43(A)(vi), and 43(A)(vii) shall be carried out by the respective institution or company in accordance with its established and prevailing internal process. Such nomination shall be made during the election process in each election year. The person(s) nominated as Trustee(s) by such institution or company may be the Promoter Director, Promoter Trustee, or any member of the Promoter Director's / Promoter Trustee's family, as recommoned by the respective institution or company. For this purpose, the institution shall issue a written communication to the concerned institution(s) or company(ies), requesting them to submit the name(s) of their nominated Trustee(s) within the prescribed time limit and in accordance with the provisions of the Constitution and By-laws of their respective Institution or Company. The names of the nominated Trustee(s) received from the respective institution(s) or company(ies) shall be taken on record by the Election Board. Upon completion of the election process, the names of such nominated Trustee(s) shall be published along with the declaration of the election results.

Cl No	New Clause	Revised (English)
	संबंधित संस्था अथवा कंपनी द्वारा भेजे गए मनोनीत ट्रस्टी/ट्रस्टियों के नामों को चुनाव मंडल द्वारा अपने अभिलेख (Record) में दर्ज किया जाएगा। चुनाव मंडल द्वारा ऐसे नामों को प्राप्त एवं रिकॉर्ड पर लिए जाने के पश्चात, चुनाव प्रक्रिया पूर्ण होने पर घोषित चुनाव परिणामों के साथ उनका विवरण भी समुचित रूप से प्रकाशित किया जाएगा। चुनाव परिणामों के साथ ऐसे मनोनीत ट्रस्टियों के नाम प्रकाशित किए जाने के पश्चात ही उनका मनोनयन अंतिम एवं प्रभावी माना जाएगा। ऐसे सभी मनोनीत ट्रस्टियों का मनोनयन आगामी चुनाव तक प्रभावी रहेगा तथा इस अवधि के दौरान उनके मनोनयन में किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया जा सकेगा। परंतु, यदि ऐसे किसी मनोनीत ट्रस्टी की मृत्यु हो जाती है अथवा वह किसी कारणवश ट्रस्टी के पद पर बने रहने के लिए अयोग्य हो जाता है, तो उत्पन्न रिक्त स्थान की पूर्ति संबंधित संस्था अथवा कंपनी द्वारा, संस्था के संविधान एवं नियमावली के अनुरूप, किसी अन्य पात्र व्यक्ति को मनोनीत करके की जा सकेगी। ऐसे नए मनोनीत ट्रस्टी का मनोनयन ट्रस्ट बोर्ड की स्वीकृति के पश्चात ही प्रभावी माना जाएगा तथा उसका नाम ट्रस्ट के अभिलेख (Record) में दर्ज किया जा सकेगा। ऐसे प्रतिस्थापित मनोनीत ट्रस्टी का कार्यकाल आगामी चुनाव तक ही रहेगा।	The nomination of such Trustee(s) shall be deemed to be final and effective only upon such publication. The nomination of all such nominated Trustees shall remain valid until the next election, and no change in such nomination shall be permitted during the intervening period. Provided, however**,** that in the event of the death of any nominated Trustee, or if such Trustee ceases to be eligible or becomes incapable of continuing as a Trustee for any reason whatsoever, the resultant vacancy may be filled by the respective institution or company by nominating another eligible person in accordance with the provisions of the Constitution and By-laws of their respective Institution or Company. Such nomination shall become effective only upon the approval by the Board of Trustees, whereupon the name of the newly nominated Trustee shall be entered in the records of the institution. The term of office of such substituted nominated Trustee shall continue only until the next election.

Cl No	New Clause	Revised (English)
(E)	निम्नलिखित किसी भी कारण से बोर्ड ऑफ ट्रस्टी के सदस्य का स्थान अपने आप (Ipsofacto) रिक्त हो जायेगा। (i) सदस्य द्वारा प्रतिनिधि न रहने पर। (ii) मानसिक संतुलन खोने पर। (iii) मृत्यु हो जाने पर। (iv) सदस्यता रद्द हो जाने पर। (v) दिवालिया घोषित होने पर। (vi) किसी भी कोर्ट द्वारा छह महिने से अधिक कारावास की सजा होने पर।	The position of a member of the Board of Trustees shall automatically (ipso facto) become vacant upon the occurrence of any of the following events: (i) Member ceases to be a representative. (ii) Loses mental capacity or becomes unsound mind. (iii) Upon death. (iv) On termination of membership. (v) On declared insolvent. (vi) On sentenced of imprisonment exceeding six (6) months by any Court.
44.	द महाराष्ट्र पब्लिक ट्रस्ट एक्ट,1950 में वर्णित शर्तों के अनुसार स्थान रिक्त होने अथवा किसी ट्रस्टी के इस नियमावली के नियम संख्य 43 (E) के अंतर्गत पद रिक्त होने के स्थिति में, ऐसे पद पर नियुक्ति ट्रस्ट बोर्ड की अनुशंसा पर साधारण सभा द्वारा की जाएगी। ट्रस्टी का कार्यकाल समाप्त होने पर रिक्त स्थान की पूर्ति संस्था के नियम संख्या 43 में वर्णित नियमानुसार की जायेगी। सभासदों द्वारा चुने हुए ट्रस्टीयों का कार्यकाल अधिकतम छः (6) साल का होगा। चुने हुये ट्रस्टीयों में से निकटतम 50% ट्रस्टी बारी-बारी से (रोटेशन पध्दति से) प्रति तीसरे वर्ष अपना स्थान स्वतः ही रिक्त कर देंगे। रोटेशन के क्रम में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न होने पर ट्रस्ट बोर्ड पर्ची निकालकर स्थान रिक्त करने वाले ट्रस्टियों के नाम निर्धारित कर सकेगा।पर इस प्रकार स्थान रिक्त करने वाला ट्रस्टी नियम संख्या 43(B) के अनुसार पुनः ट्रस्टी पद पर चुना जा सकेगा।	In the event of a vacancy arising in accordance with the provisions and conditions prescribed under the Maharashtra Public Trusts Act, 1950, or due to any Trustee vacating the office under Rule No. 43(E) give as above, the appointment to such vacant position shall be filled by the General Assembly upon the recommendation of the Board of Trustees. Upon completion of the term of a Trustee, the vacancy shall be filled in accordance with the provisions prescribed under Rule No. 43 as mentioned hereabove. The term of office of Trustees elected by the members shall be of maximum period of six (6) years. Out of the elected Trustees, approximately 50% of the Trustees shall retire by rotation every third year, thereby automatically vacating their positions in accordance with the rotation system. In the event of any difficulty or dispute in determining the order of rotation, the Board of Trustees may decide the names of the Trustees who shall vacate their positions by drawing lots. However, any Trustee retiring under this rotation process shall be eligible for re-election as a Trustee in accordance with Rule No. 43(B).

Cl No	New Clause	Revised (English)
	चुने हुए ट्रस्टीयों में से कोई स्थान रिक्त होने की अवस्था में ऐसे रिक्त स्थान की पूर्ति, ट्रस्ट बोर्ड के अनुशंसा से, आगामी साधारण सभा में की जा सकेगी।	In the event of any vacancy occurring among the elected Trustees, such vacancy may be filled in the forthcoming General Assembly on the recommendation of the Board of Trustees.
45.	नियम संख्या 44 के अनुसार ट्रस्टियों के रिक्त स्थान की पूर्ति न होने की अवस्था में शेष ट्रस्टी जिनकी संख्या छ: (6) से कम न होगी, जो कार्य करेंगे वह नियमित माना जाएगा।	In the event that the vacancies of Trustees are not filled in accordance with Rule No. 44, the actions and decisions taken by the remaining Trustees, provided that their number is not less than six (6), shall be deemed valid and regular.
46.	इस संस्था का मंत्री ट्रस्टीयों के बोर्ड का संयोजक होगा। वह बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की सभाएं बुलाने की व्यवस्था करेगा। संस्था के सभी पदाधिकारी भी सभी बैठकों में विशेष आमंत्रित रहेंगे किन्तु ट्रस्टीयों के अतिरिक्त किसी को भी मत देने का अधिकार नहीं होगा।	The Secretary of the Institution shall act as the Convener of the Board of Trustees. He shall be responsible for making arrangements for convening the meetings of the Board of Trustees. All Office Bearers of the Institution shall be special invites to all such meetings; however, no person other than the Trustees shall have the right to vote in such meetings.
47. (A)	संयोजक आवश्यकतानुसार अथवा किन्ही ग्यारह (11) ट्रस्टीयों की सूचना पर ट्रस्टीयों की बैठक सात (7) दिन की सूचना से बुला सकेगा।	The Convener may convene a meeting of the Board of Trustees whenever necessary or upon receipt of a requisition from any eleven (11) Trustees, by giving at least seven (7) days' notice.
B	परंतु अति आवश्यक कार्य के लिए ट्रस्टीयों की बैठक चौबीस (24) घंटे की सूचना से बुला सकेगा।	However, in case of urgent and important business, the meeting of the Board of Trustees may be convened by giving twenty-four (24) hours' notice.
48.	संयोजक (मंत्री) द्वारा एक माह तक उपेक्षा होने पर ऐसी मांग करने वाले ट्रस्टियों को नियमानुसार निर्दिष्ट कार्यसूची सहित सूचना देकर ऐसी बैठक बुलाने का अधिकार होगा।	In the event of neglect or failure by the Convener (Secretary) to convene such meeting for a period of one month, the Trustees making such requisition shall have the authority to convene the meeting by issuing due notice along with the specified agenda in accordance with the prescribed rules.
49.	बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की बैठकों हेतु कोरम छः (6) का होगा। परंतु किन्ही ग्यारह (11) ट्रस्टीयों की सूचना पर बुलाई गई बैठक अथवा अति आवश्यक कार्य के लिए अल्प सूचना पर बुलाई गई बैठक का कोरम न्यूनतम पंद्रह (15) का होगा।	The quorum for the meetings of the Board of Trustees shall be six (6) Trustees. However, for a meeting convened upon a requisition by any eleven (11) Trustees or a meeting called at short notice for urgent matters, the minimum quorum shall be fifteen (15) Trustees.

Cl No	New Clause	Revised (English)
50.	ट्रस्टीयों की प्रत्येक बैठक में उपस्थित ट्रस्टियों में से सभापति चुना जायेगा।	At every meeting of the Board of Trustees, the Chairperson for that meeting shall be elected from the Trustees present.
51.	बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की बैठक में निर्णय बहुमत से होगा। समान मत होने की अवस्था में सभापति विशेष मत देकर निर्णय करेगे।	The decisions of the Board of Trustees shall be taken by a majority of votes. In the event equality of votes, the Chairperson shall have a casting vote and shall decide the matter accordingly.
52.	संयोजक द्वारा लिखित प्रस्ताव परिपत्र (circular) के जरिये भेजने पर पक्ष में बहुमत आ जाने पर वह प्रस्ताव स्वीकृत समझा जायेगा। ऐसे किसी भी प्रस्ताव की अगली बैठक में नोंद ली जाएगी।	Any proposal circulated in writing by the Convenor through a circular shall be deemed to have been approved if it receives a majority vote in favour. A record of every such proposal shall be placed before the Board of Trustees at its subsequent meeting.
53.	ट्रस्टियों को सस्था की सम्पति विनियोजन करने का अधिकार होगा।	The Trustees shall have the authority to invest the properties and assets of the Institution.
54.	ट्रस्टियों का कर्तव्य होगा कि वे	It shall be the duty of the Trustees to:
(A)	संस्था की सम्पूर्ण संपत्तियों (चल एव अचल) का इस संस्था के उद्देशार्थ उपयोग करें।	To utilize all the properties and assets of the Institution, both movable and immovable, solely for the fulfillment of the objects of the Institution.
(B)	भारतवर्ष में कहीं भी छात्र एवं छात्राओं हेतु विद्यार्थी गृह बनवाएं, शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य संस्थानों की स्थापना करें, एवं समाज कल्याणार्थ सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यों के लिए भवन बनवाएं एवं ऐसी अन्य संस्थाओं को सहयोग दें।	To establish students' hostels anywhere in India for male and female students, establish educational and healthcare institutions, construct buildings for cultural and social welfare activities, and extend support and assistance to other institutions engaged in similar activities.
(C)	संस्था द्वारा किये जाने वाले विभिन्न कार्यों हेतु एकत्रित किए जाने वाले दान के संदर्भ में व्यवस्थापिका सभा की अनुशंसा को ध्यान में रखते हुये उपयुक्त शर्ते एवं नियम निर्धारण करे।	To prescribe appropriate terms, conditions, and rules in respect of donations collected for various activities undertaken by the Institution, after considering the recommendations of the Managing Committee.

Cl No	New Clause	Revised (English)
(E)	ट्रस्टियों का कर्तव्य होगा कि वे उस धन को जो किसी कार्य विशेष के लिए संग्रहित किया गया होगा, सर्वसम्मति से इस प्रकार की सिक्योरिटीज में विनियोजित करे, जिसे कि वे उचित समझते हो।	It shall be the duty of the Trustees to invest, by unanimous consent, the funds collected for any specific purpose in such securities as they may deem appropriate and proper.
(F)	ट्रस्टियों का कर्तव्य होगा कि वे इस संस्था द्वारा भवन निर्माणर्थ भूमि के अधिग्रहण, भवन निर्माण एवं समय-समय पर संस्था के कार्यकलापों को क्रियान्वित करने हेतु प्राप्त धन के विनियोजन के संबंध में व्यवस्थापिका सभा की अनुशंसा से समय-समय पर नियम निर्धारण करें।	It shall be the duty of the Trustees to frame rules from time to time, in consultation with the recommendations of the Managing Committee, regarding the acquisition of land for construction of buildings by the Institution, construction of such buildings, and investment of funds received from time to time for implementing the activities and objects of the Institution.
(G)	ट्रस्टियों की सर्वसम्मति के अभाव में संस्था का धन द महाराष्ट्र पब्लिक ट्रस्ट एक्ट, 1950 एवं इनकम टैक्स एक्ट, 2025 के प्रावधानों के अंतर्गत स्वीकृत प्रतिभूतियों (सिक्योरिटीज़) में निवेश किया जाएगा।	In the absence of unanimous consent among the Trustees, the funds of the Institution shall be invested in approved securities in accordance with the provisions of the Maharashtra Public Trusts Act, 1950 and the Income Tax Act, 2025
(H)	ट्रस्टी आवश्यकतानुसार संस्था के उद्देश्यों के लिए व्यवस्थापिका सभा की 3/4 बहुमत से अनुशंसा होने पर संस्था की संपत्ति या कोष की साख से अमुक ब्याज पर अमुक अवधि तक के लिए तथा अदायगी की अमुक शर्तों पर जैसा कि उपयुक्त समझा जाय, रुपये उधार लेंगे।	The Trustees may, as and when required for the purposes and objects of the Institution, borrow funds against the security of the Institution's property or fund, upon the recommendation of the Managing Committee approved by a three-fourths (3/4) majority, at such rate of interest, for such period, and on such terms and conditions of repayment as may be deemed appropriate.
	ट्रस्टियों द्वारा धन का विनियोजन	**Investment of Funds by Trustees**
55.	ट्रस्टियों का कर्तव्य होगा कि वे संस्था के धन को संस्था के नाम से विनियोजित करेंगे और यदि उचित समझे तो विनियोजित किये हुए धन में घटा बढी कर सकेंगे।	It shall be the duty of the Trustees to invest the funds of the Institution in the name of the Institution and if deemed appropriate, they may increase, reduce, or modify such investments from time to time.

Cl No	New Clause	Revised (English)
56.	किसी दाता की शर्त विशेष पर स्वीकृति की गई निधि जिसकी तत्काल आवश्यकता न हो विहित शर्तों के अन्तर्गत रहते हुए नियम संख्या 54 के अनुसार विनियोजित की जाएगी।	Any fund accepted subject to the specific conditions imposed by a donor, which is not required for immediate use, shall be invested in accordance with Rule No. 54, subject to compliance with the prescribed terms and conditions.
57.	ट्रस्टियों द्वारा निश्चित किये हुए नियमों के अनुरुप कोई भी दो पदाधिकारी संस्था की सिक्योरिटीज एवं खातों पर हस्ताक्षर कर सकेंगे।	Any two Office Bearers, in accordance with the rules prescribed by the Trustees, shall be authorized to sign the securities and accounts of the Institution.
58.	संस्था को प्रदत्त किसी भी दान की रसीद मंत्री, संयुक्त मंत्री, कोषाध्यक्ष अथवा संयुक्त कोषाध्यक्ष के हस्ताक्षर हो जाने पर वैध समझी जायेगी।	Any receipt issued for donations received by the Institution shall be deemed valid upon being signed by the Secretary, Joint Secretary, Treasurer or Joint Treasurer
59.	विनियोजित की हुई रकम की आय संस्था के लिए प्राप्त करने का अधिकार ट्रस्टियों को होगा।	The Trustees shall have the authority to receive the income arising from the invested funds on behalf of the Institution.
60.	संस्था की साधारण सभा या व्यवस्थापिका सभा के प्रस्ताव को कार्यरुप में परिणित करने तथा उसके संचालन एवं कार्यवाहियों के लिये बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज के निर्देशानुसार संस्था के पदाधिकारी सभी प्रकार की धन सम्पति और उसकी आय प्राप्त करेंगे तथा आवश्यकतानुसार उसे व्यय करेंगे।	For the purpose of implementing the resolutions passed by the General Assembly or the Managing Committee and for carrying out the administration, operations, and activities of the Institution, the Office Bearers of the Institution shall, in accordance with the directions of the Board of Trustees, receive all forms of funds, assets, and income therefrom and shall utilize the same for necessary expenses as required.
61.	ट्रस्टी उसी धन, कोष, सिक्योरिटी अथवा किसी जायदाद के प्रति उत्तरदायी होंगे, जो कि उन्हें संस्था के लिए व्यक्तितः मिली होगी और मात्र नियम पालनार्थ हस्ताक्षर करने से उन पर किसी प्रकार का दायित्व न होगा। ट्रस्टी मात्र अपने निजी कार्यों के प्रति ही संस्था में जवाबदार होंगे। व्यवहार में किसी बैंक, दलाल या व्यापारी की नादेहबंदी या भूल के कारण अथवा सम्पत्ति का मूल्य कम हो जाने के कारण ट्रस्टीयों पर किसी प्रकार का दायित्व नही होगा जबकि वह हानि ट्रस्टी विशेष द्वारा इरादतन नही हुई होगी।	The Trustees shall be responsible only for such funds, corpus, securities, or properties as may have been personally received by them on behalf of the Institution. No liability shall arise upon the Trustees merely by affixing their signatures for the purpose of compliance with the rules and regulations. The Trustees shall be accountable to the Institution only for their own personal acts and omissions. In the ordinary course of affairs, the Trustees shall not be held liable for any loss arising due to the default, negligence, or failure of any bank, broker, or trader, or due to a decline in the value of any property or investment, provided

Cl No	New Clause	Revised (English)
		that such loss has not occurred due to any intentional act or misconduct of the concerned Trustee.
62.	**हिसाब**	**Accounts**
(A)	कोषाध्यक्ष एवं संयुक्त कोषाध्यक्ष का कर्तव्य होगा कि वह संस्था का हिसाब रखे जिसमें कि सस्था के धन की आय तथा व्यय का उल्लेख होगा। संस्था की व्यवस्थापिका सभा के सदस्यों को हिसाब की बहिया देखने का अधिकार होगा। सदस्य कार्यालय के समय में हिसाब देख सकेंगे लेकिन इसके लिए उन्हें पूर्व लिखित सूचना देकर मंत्री की अनुमति भी लेनी आवश्यक होगी।	It shall be the duty of the Treasurer and Joint Treasurer to maintain the accounts of the Institution, including complete records of all receipts and expenditures of the Institution's funds. The members of the Managing Committee shall have the right to inspect the books of accounts. Members may inspect the accounts during office hours; however, they shall be required to provide prior written notice and obtain permission from the Secretary for such inspection.
(B)	व्यवस्थापिका सभा के निश्चयानुसार बैंक में खाता खोला जा सकेगा।	A bank account may be opened with any bank as per the decision and approval of the Managing Committee.
(C)	चन्दा, सहायता, किराया तथा अन्यान्य प्रकार से प्राप्त हुई रकम की रसीद मंत्री, संयुक्त मंत्री, कोषाध्यक्ष, संयुक्त कोषाध्यक्ष अथवा अधिकृत अधिकारी देगा।	Receipts for amounts received by way of subscriptions, grants, rent, or any other source shall be issued by the Secretary, Joint Secretary, Treasurer, Joint Treasurer, or any authorized officer.
(D)	संस्था का बैंक अकाउंट संस्था के तत्कालीन ~~**सातों**~~ पदाधिकारियों में से दो (2) के संयुक्त हस्ताक्षर से संचालित किया जायेगा। इसमें से एक अध्यक्ष या उपाध्यक्ष में से होगा व दूसरा मंत्री, संयुक्त मंत्री, कोषाध्यक्ष या संयुक्त कोषाध्यक्ष में से होगा।	The bank account of the Institution shall be operated through the joint signatures of any two (2) of the current Office Bearers of the Institution. Out of the two signatories, one shall be either the President or Vice-President, and the other shall be amongst the Secretary, Joint Secretary, Treasurer, or Joint Treasurer.
63.	संस्था का वर्ष समाप्त हो जाने के बाद 6 महीने के अन्दर संस्था एवं इसके द्वारा संचालित संस्थाओं का लेखा परीक्षक द्वारा जांचा हुआ हिसाब, बैलेंस शीट एवं आय-व्यय विवरण वार्षिक साधारण सभा में अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।	Within six (6) months after the close of the financial year of the Institution, the audited accounts, Balance Sheet, and Income & Expenditure Statement of the Institution and all institutions operated by it shall be placed before the Annual General Assembly for approval.

Cl No	New Clause	Revised (English)
64.	**नियम-परिवर्तन और विशेष प्रस्ताव**	**Amendment of Rules and Special Resolutions**
(A)	संस्था के उद्देश्यों में परिवर्तन इसी उद्देश्य से बुलाई गई संस्था की विशेष साधारण सभा में अथवा वार्षिक साधारण सभा में लिखित विशेष प्रस्ताव द्वारा हो सकेगा।	Any alteration or amendment in the objects of the Institution may be made through a written Special Resolution passed at a Special Assembly of the General Body convened specifically for this purpose or at the Annual General Assembly of the Institution.
(B)	संस्था के नियमों में परिवर्तन अथवा नये नियमों का निर्माण संस्था की विशेष साधारण सभा में अथवा वार्षिक साधारण सभा में लिखित साधारण प्रस्ताव द्वारा हो सकेगा।	Any amendment, alteration, or modification in the Rules of the Institution, or the creation of new Rules, may be carried out through a written Ordinary Resolution passed at a Special Assembly or at the Annual Assembly of the Institution.
65.	संस्था का वही प्रस्ताव विशेष समझा जाएगा जो कि स्वय अथवा प्रतिनिधि सदस्य द्वारा उपस्थित मताधिकारी सदस्यों के 3/4 मत से स्वीकृत हुआ हो अथवा इस प्रस्ताव के लिए परिपत्र द्वारा मताधिकार सदस्यों में से 3/4 के हस्ताक्षर हो चुके हो और जिसका कि मुद्रित या लिखित व्यवस्थापिका सभा मसविदा सदस्यों के पास सूचनापत्र के साथ भेज दिया गया हो और जिसका समर्थन पहली बैठक के एक मास बाद बुलाई गई दूसरी विशेष साधारण सभा में उपस्थित मताधिकारी सदस्यों के बहुमत से हो चुका हो।	A resolution of the Institution shall be considered a Special Resolution if it is approved either by three-fourths (3/4) of the votes of the voting members present in person or through their representatives, or if three-fourths (3/4) of the voting members have given their signatures in favour of such resolution through a circular. Such resolution shall be valid only when the printed or written draft of the resolution prepared by the Managing Committee has been circulated to the members along with the notice, and the same has been confirmed and supported by a majority of the voting members present at the second Special Assembly convened after a period of one month from the first meeting.
66.	साधारण प्रस्ताव द्वारा बनाये गये नियम संस्था के मूल नियमों के समान ही माने जायेंगे एवं उनमें भी बाद में ऐसे ही प्रस्ताव द्वारा परिवर्तन किया जा सकेगा।	The Rules framed and adopted through an Ordinary Resolution shall be deemed to have the same force and effect as the original Rules of the Institution and may thereafter be amended, modified, or altered through a similar Ordinary Resolution.

Cl No	New Clause	Revised (English)
67.	संस्था के बंद होने पर उस पर के ऋण या देने को अदा करने के बाद जो सम्पत्ति बचेगी और जो ट्रस्ट में किसी शर्त पर बधी न होगी, वह इस संस्था के सदस्यों में न बांटी जा कर, इसी कार्य के लिए बुलाई गई सभा में उपस्थित सदस्यों के कम से कम 3/4 मत से स्वीकृत होने पर, इसी के उद्देश्यों से मिलते जुलते उद्देश्यों या ऐसे ही उद्देश्यों वाली संस्था या संस्थाओं को दे दी जाएगी।	Upon the dissolution of the Institution, after payment of all debts, liabilities, and dues, any remaining property or assets of the Institution which are not subject to any trust conditions shall not be distributed among the members of the Institution. Such remaining assets shall, upon approval by a minimum three-fourths (3/4) majority of the members present at a meeting convened specifically for this purpose, be transferred to an institution or institutions having similar or allied objectives consistent with the objectives of this Institution.
68.	साधारण सभा द्वारा अनुमोदित संविधान एवं नियमावली के हिन्दी एवं अंग्रेज़ी, दोनों संस्करण मान्य होंगे। किन्तु किसी भी संदेह, विसंगति अथवा व्याख्या संबंधी विवाद की स्थिति में अंग्रेज़ी संस्करण ही मान्य होगा।	Both the Hindi and English versions of the Constitution and Rules & Regulations of the Institution, as approved by the General Body, shall be valid and recognized. However, in the event of any doubt, inconsistency, discrepancy, or dispute relating to interpretation, the English version shall prevail and shall be considered final.
69.	संस्था द्वारा सभी प्रकार की बैठके आभासी सम्मेलन (Virtual Conference) द्वारा भी की जा सकेगी। ऐसी सभी बैठके नियमित समझी जाएगी तथा सभी निर्णय सर्वमान्य होंगे।	All types of meetings of the Institution may also be conducted through virtual conferences. Such meetings shall be deemed to be valid and regular meetings and all decisions taken therein shall be considered valid and binding.